हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 17 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 32.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

10 श्रद्धालुओं ने कान्हा को झूले झुला मांगी मन्नतें

10 खेल नर्सरियों में खिलाड़ियों की बायोमीट्रिक पंचिंग प्रारंभ

खबर संक्षेप

मृतक चालक की गाड़ी हांसी ब्रांच से बरामद

जींद। सफीदों निवासी कार चालक की मौत तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से नहर में गिरकर हुई थी। पुलिस ने मृतक के शव को बरामद करने के बाद उसकी गाड़ी को सफीदों हांसी ब्राच नहर से बरामद कर लिया है। शहर थाना सफीदों पुलिस ने मृतक के चाचा की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, शिकायत दर्ज

जींद। श्याम कालोनी से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर शहर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। श्याम कालोनी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 18 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा।

नशे की हालात में महिला अर्धनग्र मिलने से हड़कंप

जींद। गांव अशरफगढ़ हाइवे रेलवे पुल के निकट शनिवार को नशे की हालात में महिला के अर्धनग्र मिलने से हडकंप मच गया। महिला को नागारिक अस्पताल मे भर्ती करवाया गया है। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव अशरफगढ़ हाईवे पुल के निकट शनिवार को राहगीरों ने लगभग 35 वर्षीय एक महिला को अर्धनग्र हालात में पड़े देखा था।

रंजिशन हमला करने पर चार के खिलाफ केस दर्ज

जींद। गांव मालवी में रंजिशन हमला कर व्यक्ति को घायल करने पर जुलाना थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव मालवी निवासी जयवीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव के ही सागर से रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते सागर तथा उसके साथियों ने रास्ता रोक कर हमला कर दिया।

युवती को ब्लैकमेल करने पर एक पर मामला दर्ज

जींद।युवती के फोटो का दुरूपयोग कर उसके रिश्ते में अडंगा डालने पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने एक युवक के खिलाफ स्त्री सम्मान को ठेस पहुंचाने, ब्लैकमेल करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। सदर थाना सफीदों इलाके के एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है।

नरवाना में विकास रैली आज सीएम देंगे करोड़ों की सौगात

नया बस स्टैंड, सिविल अस्पताल की नई बिल्डिंग का शिलान्यास करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

नरवाना में 17 अगस्त रविवार को को विकास रैली का आयोजन होने जा रहा है। इसमें मुख्यातिथि के रूप में सीएम नायब सिंह सैनी पहुंचेंगे और करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। मंत्री कृष्ण बेदी पिछले 10 दिनों से रैली को लेकर गांव-गांव पहुंच कर न्यौता दे रहे हैं।

नरवाना की मेला मंडी में विकास रैली का आयोजन होगा। इसमें सीएम नरवाना के नए बस स्टैंड और सिविल अस्पताल की नई बिल्डिंग के निर्माण को लेकर शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा रजबाहे की रिमॉडलिंग, नहरी विभाग के कार्यों में विस्तार, बिठमड़ा माइनर को नहर में बदलने की योजना, धरौदी माइनर में 16 दिन तक पानी प्रवाह की योजना के भी सिरे चढने की उम्मीद है। इसके अलावा रेस्ट हाउस और नगर परिषद की बिल्डिंग का भी शिलान्यास किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि विकास कार्यों के मामले में यह रैली रिकार्ड तोड़ेगी। इधर, रैली की तैयारियों को लेकर डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आयोजन स्थल के चारों ओर बैरिकेडिंग करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कहा कि वे आयोजन स्थल पर शौचालय, पीने का स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाए। मार्केट कमेटी के सचिव और नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अनाज मंडी की साफ.-सफाई व्यवस्था को भी समय रहते दुरूस्त करवाएं। इस दौरान सभी अधिकारी आपस में तालमेल कर कार्य करवाना सुनिश्चित करें। डीसी ने सभा स्थल यानि मेला ग्राउंड के प्रांगण का मुआयना किया और कार्यक्रम की सफलता के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि आमजन के आने के लिए अलग से रास्ते निर्धारित करें और उनके वाहनों के लिए भी सभा स्थल नजदीक पार्किंग की व्यवस्था करवाई जाए।

जींद। रैली स्थल पर व्यवस्थाओं को लेकर दिशा-निर्देश देते कैबिनेट मंत्री।

एसपी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए

सुरक्षा दृष्टि के मद्देनजर वीवीआईपी वाहनों की पार्किंग और रास्ता अलग से निर्धारित करने के लिए एसपी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रमुख मार्गों एवं प्रवेश द्वारों पर ट्रैफिक पुलिस की विशेष तैनाती की गई है। साथ ही भीड़ नियंत्रण, वीवीआईपी मूवमेंट, पार्किंग प्रबंधन एवं सार्वजनिक सुरक्षा के लिए चाक चौबंद इंतजाम किए गए हैं।

कैथलः जिला कारागार में युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

कैथल। स्वतंत्रता दिवस के दिन जिला कारागार से एक दुखद घटना सामने आई। 27 वर्षीय युवक ने कारागार में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। हालांकि युवक के फंदा लगाकर आत्महत्या की वजह भी सामने नहीं आई है। वहीं, यह बताया जा रहा है कि युवक मानसिक रूप से परेशान था। मामले में सीवन निवासी 24 वर्षीय युवक सन्नी ने कारागार के ही शौचालय में कपड़े से फंदा लगाया। यह युवक वर्ष 2019 में एक मामले में न्यायिक हिरासत में चल रहा है। इसके बाद वह कोर्ट से भगौड़ा हो गया था। अब हाली ही में 12 अगस्त को पुलिस ने युवक सन्नी को पकड़ा था। सन्नी 2019 में एक मामले में पेशी टूटने के कारण 12 अगस्त को जिला कारागार लाया गया था। बताया जा रहा है कि वह मानसिक रूप से परेशान था। शुक्रवार सुबह उसने जेल के शौचालय में एक कपड़े से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा। मृतक के भाई विक्रम ने बताया कि उनका छोटा भाई 12 अगस्त को जेल में गया था। उन्हें शुक्रवार को ही सूचना मिली कि उनके भाई ने आत्महत्या कर ली है। मामले में शहर थाना कैथल की प्रभारी गीता रानी ने बताया कि उन्हें हमें सुबह सूचना मिली कि जिला कारागार में एक युवक ने फंदा लगाया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच की जा रही है।

रोहतक पीजीआई में करंट लगने से दो युवकों की मौत

- दोनों युवकों की मौत से जुलाना में छाया मातम
- युवक इमारत में कंकरीट बिछाने का काम कर रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना कस्बे के वार्ड चार और शादीपुर गांव निवासी दो युवकों की रोहतक पीजीआई में करंट लगने से मौत हो गई। दोनों की मौत से जुलाना और आसपास के गांवों में मातम छा गया। दोनों युवकों की चिता, एक साथ जली। जानकारी के अनुसार 15 अगस्त को सुबह दोनों युवक अपने तीन साथियों के साथ रोहतक पीजीआई में दिहाड़ी पर गए थे। रोहतक पीजीआई में मोर्चरी हाउस का काम चल रहा था।

पांचों युवक इमारत में कंकरीट बिछाने का काम कर रहे थे। जहां पर सीमेंट और कंकरीट को मिलाने के लिए मशीन लगाई गई थी। मशीन बिजली की मोटर से चल रही थी। मौसम खराब के चलते मशीन में अचानक करंट आ गए। जिसकी चपेट में पांचों युवक आ गए। दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन गंभीर रूप से झुलस गए। मृतकों की पहचान वार्ड चार निवासी 19 वर्षीय प्रवीन और शादीपुर निवासी 21 वर्षीय अजय के रूप में हुई। दानों युवक लगभग एक सप्ताह से पीजीआई में काम कर रहे थे।

अजय व प्रवीन का फाइल फोटो।

मृतक के चाचा ने ठेकेदार पर लगाया लापरवाही का आरोप

मृतक अजय के चाचा सोमबीर ने ठेकदार पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। सोमबीर ने बताया कि अजय ने एक दिन पहले भी करंट लगने की शिकायत ठेकेदार को की थी लेकिन ठेकेदार ने कोई भी सुधार नही किया। ठेकेदार की लापरवाही के कारण हादसा हो गया और दोनों को जिदंगी से हाथ धोना पड़ा।

दोनों एक सप्ताह पहले ही काम पर पीजीआई में जाने लगे थे

प्रवीन और अजय केवल 12 वीं तक ही पढ़े थे लेकिन दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे। दोनों की दोस्ती काफी सालों से थी। गत दिनों दोनों हरिद्वार से कावड़ लेने भी साथ ही गए थे। वार्ड चवार निवासी रीषी रोहतक पीजीआई में दिहाड़ी करता था। रीषी ने दोनों को कहा कि पीजीआई में काम चल रहा है तो दोनों ने काम पर जाने का निर्णय लिया और दोनों एक सप्ताह पहले ही काम पर रोहतक पीजीआई में जाने लगे थे।

अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

जींद। जींद जिले के उचाना क्षेत्र के घोघड़ियां गांव के संदीप की अमेरिका में झील में डूबने से चार अगस्त को मौत हो गई थी। करीब 12 दिन बाद शनिवार को संदीप का शव गांव में पहुंचा। सुबह नौ बजे के करीब मृतक के शव का अंतिम संस्कार किया गया। उनके अंतिम संस्कार में पूरा गांव उमड़ा हुआ था। मृतक के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक के शव को वापस लाने में 15 लाख रुपये के करीब खर्च हुआ। गौरतलब है कि जींद जिले के उचाना क्षेत्र के घोघड़ियां गांव का 37 वर्षीय संदीप बूरा तीन साल पहले 60 लाख रुपए खर्च कर डोंकी रास्ते अमेरिका गया था। पांच से छह महीने तक संदीप पनामा के जंगलों में रहा। इस दौरान भूखा-प्यासा रहा। काफी संघर्ष के बाद संदीप मेक्सिको की दीवार कूदने के बाद अमेरिका की तरफ गया और आर्मी के कैंप में रहा। वहां से बाहर निकल कर फाइल लगवाई। एक साल तक संदीप को अंडरग्राउंड रहना पड़ा। फाइल की प्रोसेसिंग के बाद संदीप ने काम शुरू किया और ट्रक ड्राइवरी के लिए ट्रेनिंग लेने लगा। संदीप के छोटे भाई प्रदीप ने बताया कि संदीप बूरा फिलहाल फ्रेसनो शहर में रह रहा था। गत चार अगस्त की शाम संदीप अपने दोस्तों के साथ किंग रीवर झील में नहाने गया था। झील में नहाते समय संदीप लहरों के बीच फंस गया और डूब गया। संदीप की मौत के बाद उसके शव को इंडिया लाने की प्रक्रिया शुरू की गई। 12वें दिन जाकर संदीप के शव को गांव की मिट्टी नसीब हो पाई है।

कार अनियंत्रित हो डिवाइडर से टकराई, महिला की जान गई

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के बुढ़ा खेड़ा गांव के पास शनिवार को दोपहर बाद एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। तीन लोगों को रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है। सूचना पाकर जुलाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी हुई है। कार सवार खाटू श्याम के दर्शन कर जगाधरी लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार जगाधरी निवासी 30 वर्षीय जयप्रकाश, 32 वर्षीय तेजपाल, 30 वर्षीय लक्ष्मी, 30 वर्षीय रीतू, 32 वर्षीय सुनील और दो बच्चे कार में सवार होकर खाटू श्याम से जगाधरी अपने घर की ओर लौट रहे थे। जब वह एनएच 152डी पर बुढ़ाखेड़ा के पास पहुंचे तो अचानक कार का टायर फट गया। टायर फटने से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई।

नपा चेयरपर्सन बबली ने किया ध्वजारोहण

पूंडरी। नपा में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें चैयरपर्सन बबली गोस्वामी ने ध्वजारोहण कर सलामी ली। चैयरपर्सन ने इस मौके पर शहीदों को नमन किया और कहा कि आज हम सब जिस खुली हवा में सांस ले रहे है, उस आजादी को पाने के लिए हमारे ना जाने कितने क्रांतिकारियों ने जीवन का बलिदान दिया है। शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस जैसे लाखों युवाओं ने अपनी जवानी के दिनों में हंसते-हंसते अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया था। हमें इतनी कुर्बानियों के बाद मिली ऐसी आजादी को संजोय रखते राष्ट्र की उन्नति व तरक्की के लिए आपसी तालमेल से आगे बढ़ाना चाहिए।

खबर संक्षेप

महाराजा अग्रसेन स्कूल में तिरंगे को किया नमन

जींद। स्थानीय महाराजा अग्रसेन वमावि में शहीदों की पावन स्मृति में उनको नमन, वंदन करने के लिए विद्यालय स्टाफ व प्रबंधक समिति के सभी सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर ध्वजारोहण किया गया। शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यालय प्रधान महावीर गुप्ता ने कहा देशभक्तों की स्मृति को हमेशा हृदय में संजोकर रखना चाहिए।

परिचय सम्मेलन के लिए रजिस्ट्रेशन अब बीस तक

जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा द्वारा आगामी 7 सितंबर को जींद के अग्रसेन स्कूल में आयोजित होने वाला उत्तर भारत स्तरीय युवक.युवती विवाह योग्य परिचय सम्मेलन समाज में नई दिशा और ऊर्जा लेकर आ रहा है। समाज के अध्यक्ष राजकुमार गोयल ने बताया कि पहले पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 अगस्त तय की गई थी लेकिन समाज के अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अब तिथि 20 अगस्त तक बढ़ा दी गई है।

अभय चौटाला 22 को जुलाना में

जींद। इनेलो पार्टी के जिलाध्यक्ष विजेंद्र सिंह रेढू ने बताया कि स्वर्गीय ताऊ देवलाल के 112वें जन्मदिन के अवसर पर रोहतक में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह के लिए अभय सिंह चौटाला स्वयं पांचों हलकों की बैठक लेंगे। अभय सिंह चौटाला 22 अगस्त को जुलाना की ब्राह्मण धर्मशाला में सभा को संबोधित करेंगे। दोपहर को सफीदों हलके की पिल्लूखेड़ा मंडी की ब्राह्मण धर्मशाला में जनमानस को रोहतक पहुंचने का निमंत्रण देने का काम करेंगे।

शाइनिंग स्टार प्ले स्कूल में स्वतंत्रता दिवस मनाया

जींद। भिवानी रोड स्थित शाइनिंग स्टार प्ले स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी एवं अग्रवाल समाज के अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल और युवा नेता गोविंद गुप्ता ने मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के चेयरमेन मनजीत कुमार ने की।

मांगों को लेकर मजदूर संघ ने सौंपा मांगपत्र

उचाना। भवन निर्माण मजदूर संघ इंटक इकाई की मीटिंग हुई। अध्यक्षता तहसील प्रधान कश्मीरी भगवानपुरा ने की। मुख्य वक्ता के तौर पर प्रदेश अध्यक्ष धर्मवीर सिंह लोहान, प्रदेश महासचिव कृष्ण कुमार नैन, प्रदेश उपाध्यक्ष जोरा सिंह पाबड़ा मुख्य रूप से भाग लिया लोहान ने बताया कि विभिन्न मुद्दों को लेकर उपमंडल अधिकारी के माध्यम से मांग पत्र दिया गया।

मैढ सुनार सभा ने किया ध्वजारोहण

जींद। मैढ सुनार सभा द्वारा सैक्टर 6 में स्थित महाराज अजमीढ़ भवन एवं सुनार धर्मशाला में स्वतंत्रता दिवस के पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया। प्रधान सत्यनारायण सोनी की अनुवाई में पदाधिकारियों द्वारा देश शान तिरंगा फहरा कर देश को आजादी दिलवाने वाले शहीदों की शहादत को नमन किया। सदस्यों ने देश सेवा की शपथ लेते नशे के खिलाफ जन आंदोलन चलाकर युवाओं को नशे से दूर रहने, एक पेड़ मां के नाम लगा कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने के अभियान में ज्यादा से ज्यादा लोगो को शामिल करने का आह्वान किया।

सर्वजातीय कंडेला खाप ने फहराया तिरंगा

जींद। सर्वजातीय कंडेला खाप ने खाप के ऐतिहासिक चबूतरे पर तिरंगा फहरा कर स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाया। खाप प्रधान धर्मपाल कंडेला ने ध्वजारोहण किया और सभी खाप सदस्यों एवं बच्चों को मिठाई खिलाई। खाप का नया चबूतरा बन कर तैयार हो गया है।

गोसेवा में योगदान देने का आह्वान किया

उचाना। उचाना के विधायक देवेंद्र अत्री ने क्षेत्र की सात गौशालाओं को सरकारी अनुदान के रूप में 3.74 करोड़ रुपये वितरित किए। उन्होंने लोगों से गौसेवा में योगदान देने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बन गया है।

जिलेभर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया, श्रद्धालुओं ने व्रत रख मांगी मनोकामनाएं

श्रद्धालुओं ने कान्हा को झूले झुला मांगी मन्नतें

दुल्हन की तरह सजे मंदिर, राधा-कृष्ण बाल कलाकारों ने खूब रिझाया

हरिभूमि न्यूज. जींद

जींद। झूला झुलाते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

जींद। जयंती देवी मंदिर में झूले पर विराजमान कान्हा जी। फोटो :हरिभूमि

जींद। इंडस जूनियर विंग में कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

जींद। जयंती देवी मंदिर में झूला झुलाते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

जींद। इंडस जूनियर विंग में कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जिलेभर में शनिवार को धूमधाम व श्रद्धा के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंच कान्हा जी को झूला झुलाया और वहीं देर शाम को मंदिरों में झांकियां देखने के लिए श्रद्धालुओं की जमकर भीड़ उमड़ी। पूरा दिन श्रद्धालु मंदिरों में कान्हा जी को झूला झुलाने आते रहे। मंदिरों में झांकियां सजाई गई थी ओर विशेष सजावट की गई थी। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म लेने तक व्रत रखा और फिर विधि-विधान से व्रत खोला। जन्माष्टमी के पर्व पर रानी तालाब स्थित भूतेश्वर मंदिर, सोमनाथ मनसा देवी, जयंती देवी, शिव मंदिर, माता वैष्णवी धाम, रघुनाथ मंदिर, रामा-कृष्ण मंदिर, सोहम आश्रम आदि मंदिरों के अलावा शहर के सभी मंदिरों में श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए पहुंचे। सुबह से ही भगवान कृष्ण के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमडऩी शुरू हो गई। मंदिरों में भगवान श्री कृष्ण को झूले पर बैठाया गया। श्रद्धालुओं में भगवान कृष्ण को झूला देने की होड़ लगी हुई थी। जन्माष्टमी पर्व को देखते हुए प्रशासन ने असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को मंदिर में तैनात किया गया। इसके अलावा पुलिस पीसीआर प्रत्येक मंदिर में गश्त करती नजर आई। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर भगवान विष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण का जन्मदिन पूरे देशभर में बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है। शनिवार को श्रद्धालु बड़े चाव से कान्हा जी को झूला झुलाने के लिए पहुंचे। मंदिर में श्रद्धालुओं की ज्यादा भीड़ न लगे, इसके लिए वालेंटियरों की डयूटियां लगाई गई थी। कान्हा जी को झूला झुलाने के बाद श्रद्धालु आगे बढ़ते रहे। फलों की बढ़ी मांग तो दाम बढ़ेः जन्माष्टमी पर्व के मद्देनजर फलों की मांग काफी बढ़ गई थी।

व्रत रखने वालों ने रात व्रत खोलने के लिए केला, अमरूद जैसे फलों की खरीददारी की। इनके दाम भी दूसरे दिनों की तुलना में शनिवार को बढ़े हुए थे। वहीं जन्माष्टमी के उपलक्ष में शहर में मिठाई की दुकानों पर भी काफी चहल-पहल रही। लोगों ने व्रत खोलने के लिए दुकानों से मिठाई की भी काफी खरीददारी की। केले के दाम 80 रुपये दर्जन रहे। जिले के विभिन्न मंदिरों में शनिवार को कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मंदिरों को दुल्हन की तरह सजाया गया था। कृष्ण-राधा की झांकियों के साथ-साथ अन्य देवी-देवताओं के रूप में खड़े कलाकारों ने श्रद्धालुओं को खूब आकर्षित किया। कई मंदिरों में डीजे की धुन पर कलाकार कृष्ण-राधा बन कर एक-दूसरे को खूब रिझाते हुए नजर आए। नन्हे-मुन्ने बच्चे कृष्ण-राधा बन कर पर्व को मनाते हुए दिखाई दिए। श्री जयंती देवी मंदिर में दो क्विंटल साबूतदाने की खीर का प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। पर्व के मौके पर भगवान श्री कृष्ण के श्रद्धालुओं द्वारा जन्माष्टमी का व्रत भी रखा गया। व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने दोपहर को मंदिरों में जा कर कृष्ण कन्हैया को झूला झूला कर पूजा अर्चना की तथा घर आकर जल आदि पीकर व फल खा कर व्रत प्रक्रिया की पालना की। जंयती देवी मंदिर के पुजारी पंडित नवीन कुमार शास्त्री ने बताया कि मंदिर में भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर दो क्विंटल खीर प्रसाद के तौर पर श्रद्धालुओं में वितरित की गई।

इंडस स्कूल में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया

जींद। कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष में इंडस पब्लिक स्कूल जूनियर विंग में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से व श्रद्धा से मनाया गया। जिसमें कक्षा यूकेजी के विद्यार्थियों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रोल प्ले रहा। जिसमें नन्हे-नन्हे बच्चों ने श्रीकृष्ण के विभिन्न रूपों की सजीव प्रस्तुतिया दी। किसी ने बाल गोपाल का रूप धारण किया तो किसी ने माखन चुराने वाले नटखट कान्हा की अदाएं देखी। बच्चों ने कृष्ण, सुदामा, देवकी, राधा, यशोदा, नंदबाबा और अन्य पात्रों का रूप धर कर मंच पर अपनी अदाकारी से सभी का मन मोह लिया। साथ ही साथ विद्यालय में सुंदर-सुंदर झांकियों का निर्माण भी किया गया। जिसमें श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर महाभारत में उनके योगदान का वर्णन किया गया। कक्षा प्रथम के विद्यार्थियों केलिए मटकी डेकोरेशन प्रतियोगिता का भी आयोजनकिया गया। सभी ने कान्हा जी को झूला भी झुलाया। अंत में मुख्यअध्यापिका गुरमीत कौर ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, प्रेम, करुणा और न्याय का संदेश देता है और ऐसे सांस्कृतिक आयोजन बच्चों में न केवल धार्मिक और नैतिक मूल्यों का विकास करते हैं बल्कि उन्हें भारतीय संस्कृति से भी गहराई से जोड़ते हैं।

श्रीमद भागवत कथा का आयोजन

उचाना। उचाना शहर के कन्या स्कूल के पास स्थित कान्हा सेवा सदन में चल रही श्रीमद भागवत कथा में कथा वाचक अरविंद शास्त्री ने कहा कि अगर प्रेम और भक्ति जीवन में है तो भगवान अमीरी और गरीबी नहीं देखते उसे अपने हदय से लगा लेते है। सुदामा कृष्ण के बचपन के सखा हैं। गरीब है लेकिन दरिद्रता नहीं है, जितेंद्रिय हैं। चार मुट्ठी चावल लेकर द्वारकाधीश से मिलने गए। भगवान ने एक मुट्ठी चावल खाया और सुदामा को कुबेर का खजाना दे दिया। इतने दयालु है भगवान। भजन ही मानव जीवन का सार है। 84 लाख योनियों में मनुष्य ही भजन कर सकता है। इसलिए भजन से ही कल्याण होगा जीव की सदगति भगवान के नाम से ही होगी। शास्त्री ने कहा कि श्रीमद भागवत कथा ही भगवान की प्राप्ति कराने वाली हैं। यह कथा मृत्यु के भय को दूर करके भगवान की ओर आगे बढ़ाती है और भक्ति के साथ-साथ हमारे ज्ञान वैराग्य को बल देती है। श्रीमद भागवत कथा सात दिनों का ऐस आयोजन है जिसमें सौपान है। जिनमें माध्यम से एक.एक करके हम प्रत्येक सौपान पर बढ़ते जो हैं।

उचाना। श्रीमद भागवत कथा में पहुंचे श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

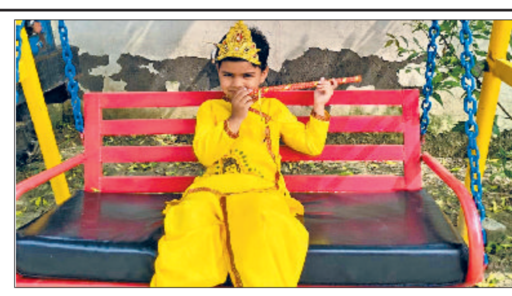
जींद। झूला झूलते हुए बच्चा। फोटो :हरिभूमि

यदुवंशी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस-जन्माष्टमी पर्व मनाया

जींद। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर नई अनाज मंडी जींद में आयोजित भव्य कार्यक्रम में यदुवंशी शिक्षा निकेतन बीबीपुर के विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक झलकियों पर आधारित अद्वितीय प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने मंगल पांडे, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु और महात्मा गांधी जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को क्रमबद्ध इतिहास टाइमलाइन के रूप में मंच पर सजीव किया। भावपूर्ण अभिनय और सटीक प्रस्तुति ने वहां उपस्थित पूरे जींद को मंत्रमुग्ध कर दिया और सभी दर्शकों ने खड़े होकर तालियों से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय परिसर में भी स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। सभी गतिविधियों का विषय स्वतंत्रता दिवस रहा। जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विशेष ऑनलाइन गतिविधियां भी आयोजित की गई। जिनमें सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बढ़.चढ़कर भाग लिया।

जन्माष्टमी कपर पूजा के लिए उमड़ी भीड़

नरवाना। जन्माष्टमी पर्व पर शहर के सभी मंदिर दुल्हन की तरह सजे मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब और भगवान कृष्ण की पुजा अर्चना की और छोटे छोटे बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किया और मंदिर में पूजा अर्चना करने आने वाले भक्तों का मनमोह लिया। नरवाना के प्रसिद्ध बाबा ग़ैबी साहब मंदिरएशनि देव मन्दिर डाडली खेड़ाएशिव प्राचीन मंदिरए प्राचीन हनुमान मंदिरए ?रेलवे? रोड पर स्थित सनातन धर्म मंदिरए को भव्य तरीके से सजाया गया और विभिन्न सुंदर सुंदर झांकियां सजाई गई है और महिलाएं बच्चे भारी संख्या में भगवान कृष्ण के लिए मंदिरों में जाकर उनके दर्शन कर रहे हैं और सुंदर सुंदर झांकियां का अवलोकन किया जा रहा है। जन्माष्टमी पर्व पर सारा शहर कृष्णमय दिखाई दे रहा है। मंदिरों की सजावट देखते बन रही है।

नरवाना। राधा कृष्ण बने बच्चे। फोटो :हरिभूमि

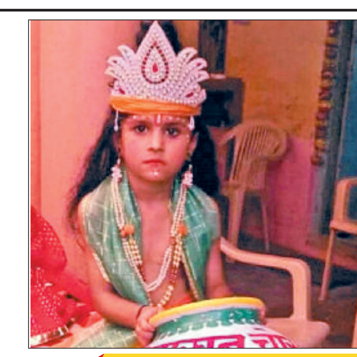
उचाना। कृष्णा जन्माष्टमी पर माक्खन चोर की झांकी। फोटो :हरिभूमि

मंदिरों में कान्हा को झूलाया श्रद्धालुओं ने झूला

उचाना। कृष्णा जन्माष्टी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया। दोपहर को मंदिरों में श्रद्धालु जाना शुरू हो गए। देर शाम तक मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ भगवान कृष्ण को झूला झूलाने के लिए लगी रही। लाला प्रभुदयाल चौधरी धर्मशाला स्थित प्राचीन राधा-कृष्ण मंदिर, लाला प्यारे घोघड़िया धर्मशाला मंदिर, पुरानी मंडी स्थित महाराजा अग्रसेन मंदिर, जय मां अन्न पूर्णा मंदिर में सुंदर-सुंदर झांकी बनाई गई। यहां पर माखन चोर, कृष्ण सुदामा, कृष्ण राधा, रामभक्त हनुमान, भगवान शिव शंकर, बाल रूप में भगवान कृष्ण की झांकी बनाई गई। मनोकामना पूर्ति के लिए श्रद्धालुओं ने व्रत रखा। मंदिरों में भीड़ के चलते पुलिस पीसीआर निरंतर शहर में गश्त करती नजर आई ताकि किसी तरह की परेशानी श्रद्धालुओं को मंदिर आने.जाने में न हो। मंदिरों में गर्मी का मौसम देखते हुए पीने के पानी का प्रबंध किया गया तो कूलर एवं पंखे श्रद्धालुओं के लिए लगाए हुए थे।

किसानों ने निकाली ट्रैक्टर यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। शहर में ट्रैक्टर यात्रा निकालते किसान। फोटो :हरिभूमि

भारतीय किसान यूनियन ने ट्रैक्टर यात्रा निकाली। इसमें 700 से ज्यादा ट्रैक्टर व किसानों ने भाग लिया। इसके बाद गुलकनी गांव में कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें अबतक जितने भी किसान आंदोलन हुए हैं, उनमे जान गंवाने वाले किसानों की पत्नी, मां तथा परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया। किसानों ने 65 फीट ऊंचा तिरंगा झंडा और 40 फीट ऊंचा भाकियू का झंडा भी फहराया। रामराये बस अड्डे से ट्रैक्टर यात्रा शुरू हुई, जो गुलकनी में किसान शहीद स्मारक पर जाकर खत्म हुई। इस दौरान ट्रैक्टरों की लंबी लाइन लग गई। शहीद स्मारक पर कार्यक्रम हुआ। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान बिंद्र नंबरदार ने की और मुख्य रूप से भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रतनमान पहुंचे। मुख्यातिथि रणबीर लोहान ने तिरंगा और दीपक जागलान ने भाकियू का झंडा फहराया। नौगामा खाप के तहत आने वाले गांवों से जो 13 किसानों की जान गई है, उनके परिवार के सदस्यों को चुंदड़ी देकर सम्मानित किया। इसके अलावा भाकियू की जिला कार्यकारणी समेत 100 से ज्यादा लोगों को भी सम्मानित किया। किसानों ने मांग की कि अलेवा क्षेत्र में सरकार जो आईएमटी के नाम पर जमीन को एक्वायर करना चाहती है, वह ऐसा नहीं होने देंगे।

जींद। 152डी पर वृद्ध महिला को संभाले सुरक्षाकर्मी। फोटो :हरिभूमि

डिप्टी स्पीकर ने वृद्ध को पहुंचाया घर

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा कुरुक्षेत्र के पेहोवा में आयोजित कार्यक्रम से जींद की तरफ लौट रहे थे। तभी डिप्टी स्पीकर को एक वृद्ध महिला पैदल जाते हुए दिखी तो उन्होंने अपनी गाड़ी रोक ली। गाड़ी रोक कर महिला से उसका पता पूछा और पायलट को घर तक छोड़ कर आने के निर्देश दिए। पायलट गाड़ी में महिला को करनाल जिले में उसके घर पर छोड़ा गया। दरअसल डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा शाम को पेहोवा में स्वामी ज्ञानानंद के यहां कार्यक्रम में गए हुए थे। वहां से नेशनल हाईवे 152डी से होते हुए डिप्टी स्पीकर अपने घर जींद की तरफ लौट रहे थे। शाम के सात बजे के करीब जब वह कैथल जिले की सीमा से निकले और जींद की सीमा में पहुंचे तो वहां हाईवे पर एक वृद्ध महिला पैदल-पैदल जा रही थी। डिप्टी स्पीकर की गाड़ी उसके पास से गुजरी तो उन्होंने देखा एक असहाय महिला जा रही है और अंधेरा होने वाला है तो तुरंत ड्राइवर को अपनी गाड़ी रोकने के लिए कहा। इसके बाद डिप्टी स्पीकर गाड़ी से नीचे उतरे और महिला से बातचीत का प्रयास किया।

उचाना। कार्यक्रम में पहुंचे प्रमुख लोगों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

जश्ने आजादी समारोह का आयोजन

उचाना। भौंगरा के राजकीय वमावि प्रांगण में आयोजित जश्ने आजादी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे 84 वर्षीय वयोवृद्ध पूर्व सैनिक चांदीराम पहुंचे। अध्यक्षता सरपंच सुखविंद्र ने की। विशिष्ट अतिथि ब्लॉक समिति सदस्य नरेंद्र शर्मा रहे। प्रसिद्ध रामलीला कलाकार चंद्रपाल शर्मा भी पहुंचे। चांदीराम ने कहा कि वह कक्षा सातवीं में पढ़ते थे जब 1963 में सेना में भर्ती उनके मन में जज्बा था। भारत मां की सेवा करने का अपने घर वालों को भर्ती होने के बाद ही उन्होंने सूचना दी थी। 1965 और 1971 के युद्ध में बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया बहुत बार मोर्चे पर गोलियां आसपास होकर गुजरी लेकिन कभी हौसले में कमी नही आई। आज भी मुझे प्राप्त मेडल को देखता रहता हूं और मेरे स्मरण में याद आता है, जब तक खून का आखिरी कतरा है भारत माता के भाल यानि मस्तक को नहीं झुकने देंगे। कार्यक्रम संचालन मा. रामप्रसाद, नरेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्रिंसिपल प्रवेश खापड़ा, गुलशन कुमार, एसएमसी प्रधान जोगिंद्र, राजवीर चहल, लाला रामनिवास, संदीप गोयत आदि मौजूद रहे।

ऑनलाइन हाजिरी होगी तो ही खुराक भत्ता खाते में आएगा

खेल नर्सरियों में खिलाड़ियों की बायोमीट्रिक पंचिंग प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

खेल नर्सरियों में अब खिलाड़ियों के लिए बायोमीट्रिक पंचिंग शुरू करवाई गई है। अब रजिस्टर में भरी गई हाजिरी मान्य नहीं होगी। खिलाड़ियों की ऑनलाइन हाजिरी होगी तो ही खिलाड़ियों के बैंक खाते में खुराक भत्ता आएगा। खेल विभाग द्वारा जारी आदेशों के बाद अब खेल नर्सरियों ने बायोमीट्रिक पंचिंग मशीन खरीदनी शुरू कर दी है। 15 अगस्त से प्रदेश की सभी खेल नर्सरियों में ये आदेश लागू हो गए हैं। प्रदेश इस समय करीब दो हजार खेल नर्सरियां चल रही हैं। इनमें 500 नर्सरियां सरकारी और 1500 के करीब प्राइवेट संस्थानों में चल रही हैं। खेल नर्सरियों में प्रेक्टिस करने वाले आठ से 14 वर्ष के खिलाड़ियों को दो हजार रुपये, 15 से 19 वर्ष के खिलाड़ियों को तीन हजार रुपये महीना डाइट मनी के तौर पर मिलता है। खेल मंत्री गौरव गौतम के पास कई जगहों से खेल नर्सरियों में गड़बड़ होने की शिकायतें आ रही थीं। अधिकांश शिकायतें इस बात को लेकर थी कि नर्सरियों में खिलाड़ियों की जितनी संख्या दर्ज की गई हैए उतने खिलाड़ी नहीं हैं। कई नर्सरियों में कोच के भी समय पर नहीं आने की शिकायतें आ रही थीं। इन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए खेल विभाग ने खिलाड़ियों व कोच की बायोमीट्रिक हाजिरी सुनिश्चित करने का फैसला लिया है। बायोमीट्रिक सिस्टम से पारदर्शिता बढ़ेगी और कार्यप्रणाली पर सख्त नजर रखी जा सकेगी। यदि हाजिरी अपडेट करने में किसी प्रकार की देरी या कातोही बरती जाती है तो वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। खिलाडिय़ों को हाजिरी के आधार पर ही डाइट राशि मिलती है। खिलाड़ी को महीने में 22 हाजिरी जरूरी है। जिला खेल अधिकारी रामपाल ने कहा कि खेल विभाग की तरफ से पत्र मिलने के बाद नर्सरियों में पंचिंग मशीनें लगाई जा रही हैं। इसमें किसी प्रकार की कोताही सहन नहीं की जाएगी।

जींद। स्टेडियम में प्रेक्टिस करते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

जींद में इन खेलों की चल रही खेल नर्सरियां

जींद जिले के इस सत्र में सरकारी स्कूलों, ग्राम पंचायतों में 60 खेल नर्सरियां चल रही है। इनमें जींद जिले में कुश्ती कबड्डी, हैंडबाल, वेट लिफ्टिंग, वॉलीबॉल, हॉकी, स्वीमिंग, कुश्ती, फुटबॉल, बॉक्सिंग, ऑर्चरी, बॉस्केटबॉल, एथलेटिक, वुशू, नेटबॉल की प्रेक्टिस अलग-अलग वर्ग के खिलाड़ियों को करवाई जा रही है।

जींद। कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

देश बढ़कर हमारे लिए कुछ नही : राजेश

जींद। गोपाल विद्या मंदिर विद्यालय में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मां सरस्वती की वंदना और मां भारती के सपूतों को नमन करते मुख्यअतिथि राजेश बंसल, तिलक, सुशील, महावीर मलिक, डा. प्रियदर्शी, संजीव, रमेश बंसल, नीरु, अमृता सैनी व विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कौशिक द्वारा ध्वजारोहण किया गया। मेघा के मार्गदर्शन में छात्र भैया जतिन व बहन हिमांशी ने मंच से सभी वरिष्ठ जनों के परिचय व अभिनंदन के लिए प्रधानाचार्य को आमंत्रित किया। मुख्यअतिथि राजेश ने कहा कि एक सच्चे देशवासी के लिए देश और संस्कृति से बढ़कर कुछ नहीं होता। हमें नित प्रति अपने-अपने काम करते हुए देश सेवा का भाव मन में अवश्य रखना चाहिए ताकि हमारा राष्ट्र फिर से विश्वगुरु बन सके। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र भैया व बहनों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किए गए। प्रधानाचार्य ने भी अपनी अभिव्यक्ति से देश की स्वतंत्रता हेतु प्राणों की आहुति देने वाले शहिदों को सदैव याद रखने के लिए प्रेरित किया। महावीर मलिक द्वारा सभी का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया गया।

खबर संक्षेप

दो वाहन चोर गिरफ्तार मोटरसाइकिल बरामद

कैथल। कलायत से एक बाइक चोरी करने के मामले की जांच थाना कलायत पुलिस के पीएसआई मन्नू की टीम द्वारा करते हुए आरोपी कलायत निवासी अंकुश उर्फ अश्वनी तथा अंकित को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि प्योदा रोड़ कैथल निवासी प्रमोद की शिकायत अनुसार 11 को काम से अपनी बाइक पर नरवाना जा रहा था।

ईगल्स क्लब ने कुष्ठ आश्रम में फहराया तिरंगा

कैथल। 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेवा संघ संस्था द्वारा संचालित कुष्ठ सेवा आश्रम में ध्वजारोहण किया गया। सेवा संघ व ईगल्स क्लब कैथल द्वारा संयुक्त रूप से इस ध्वजारोहण कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की गई। ईगल्स क्लब के प्रधान अरविन्द चावला ने झंडा फहराया तथा सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाकर झंडे के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर चौंक का किया उद्घाटन

राजौंद। राजौंद के जींद मोड़ पर 79 वे स्वतंत्रता दिवस पर पार्षद कर्मवती व अनुराग की मौजूदगी में डॉ. भीमराव अंबेडकर चौंक का बोर्ड लगाया गया। कार्य के लिए पार्षदों सहित समाज के लोगों ने कृष्ण पवार कैबिनेट मंत्री, कमलेश ढांडा पूर्व मंत्री, सांसद नवीन जिंदल और मुख्यमंत्री नायब सैनी हरियाणा सरकार का आभार प्रकट किया। पार्षदों ने कहा कि इस चौक की मंजूरी मिल चुकी है जल्दी चौक का निर्माण प्रशासन सरकार द्वारा करवा दिया जाएगा।

अव्वल कार्य करने वाले कर्मचारी सम्मानित

राजौंद। नगर पालिका परिसर में 79 वे स्वतंत्रता दिवस पर सावित्री देवी व रिटायर सैनिक नानक सिंह को नगर पालिका प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। इससे पूर्व शाहीद सीया राम के स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका सचिव नरेंद्र शर्मा व नपा चेयरमैन बबीता ने कहा कि आज हर भारतवासी के लिए खुशी का दिन है।

79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया

पूंडरी। चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय फतेहपुर पुंडरी में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से कॉलेज प्रधान पूर्व विधायक चौधरी तेजवीर सिंह ने गवर्निंग बॉडी, स्टाफ और छात्राओं संग ध्वजारोहण किया। इसके बाद तिरंगा यात्रा निकाली गई और संस्थापक हरियाणा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. चौधरी ईश्वर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उत्साह के साथ मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

कैथल। ओएसडीएवी पब्लिक स्कूल में जन्माष्टमी का पावन पर्व बहुत ही हर्षोल्लास व धार्मिक उत्साह से मनाया गया ।विद्यालय प्रांगण रंग- बिरंगी सजावट, फूलों और झंडियों से सजाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ जी की अध्यक्षता में हुआ। इस शुभ अवसर का आरंभ श्री मद् भागवत गीता के पावन श्लोकों से हुआ।

उत्पीड़न मामले में आरोपी पति और ससुर गिरफ्तार

कैथल। थाना सीवन पुलिस द्वारा दहेज उत्पीड़न व आत्महत्या के एक मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी पति व ससुर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव कलसाना जिला कुरुक्षेत्र निवासी मेघराज सिंह की शिकायत अनुसार उसकी पुत्री रेखा उर्फ पायल की शादी सितम्बर 2024 में सीवन निवासी प्रदीप के साथ हुई थी।

छीना-झपटी मामले में आरोपित दबोचा

कैथल। बाइक सवार युवक द्वारा महिला से थैला छीनने की मामले की जांच एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप की अगुवाई में एएसआई अशोक, एचसी ईशम सिंह तथा एच.सी लखविंद्र की टीम द्वारा करते आरोपी गांव अलीपुर, जिला पटियाला पंजाब निवासी किरपाल को काबू कर लिया।

नप चेयरपर्सन ने 15 लाख रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन किया

अब एक काल करते ही ठीक होंगी स्ट्रीट लाइट, कचरे का होगा उठान

नप चेयरपर्सन ने स्ट्रीट लाइट व कचरा प्रबंधन को लेकर जारी किया टोल फ्री नंबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अब एक कॉल करते ही खराब स्ट्रीट लाइट व कचरे के उठान का प्रबंध होगा। इसके लिए नगर परिषद ने शहर से कचरा उठान व खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक करवाने बारे टोल फ्री नंबर जारी कर दिया है। नप चेयरपर्सन सुरभि गर्ग की तरफ से एक वाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है, जिसमें खराब स्ट्रीट लाइट की समस्याएं बारे जानकारी संबंधित वार्ड के पार्षद की तरफ से दी जाती है, जैसे ही खराब स्ट्रीट लाइट की सूचना मिलती है तो कर्मचारी लाइट ठीक करने के लिए वहां पहुंच जाते हैं। इससे लोगों को भी काफी सुविधा हो रही है। पहले लोगों को खराब स्ट्रीट लाइट व कचरा प्रबंधन को लेकर नगर परिषद में शिकायत देने के लिए जाना पड़ता था, लेकिन अब ट्रोल फ्री नंबर जारी होने के बाद लोग अपनी शिकायत एक काल के माध्यम से दर्ज करवा सकेंगे। इसमें आर्थिक रूप से फायदा होने के साथ-साथ समय की भी बचत होगी।

■ वार्ड नंबर दो में नप चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने किया 15 लाख रुपये से बनी गलियों का उद्घाटन व लान्यास

नप चेयरपर्सन ने किया महादेव कालोनी में 15 लाख रुपये के विकास कार्यों को उद्घाटन

नप चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने शनिवार को महादेव कालोनी में 15 लाख रुपये से बनी व बनने वाली कई गलियों का उद्घाटन किया। इन गलियों के बनने से वार्ड वासियों को फायदा होगा। नप चेयरपर्सन ने कहा कि शहर के सभी वार्डों में विकास कार्य हो रहे हैं। इनमें चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण के साथ-साथ स्ट्रीट लाइट वार्डों में लगवाई जा रही है। कुल सात हजार 777 स्ट्रीट लाइट लगाई जानी है। अब तक एक हजार लाइट वार्डों में लगाई जा चुकी हैं। सभी वार्डों में 30-30 लाइट लगवाई जा रही हैं। बता दें कि इससे पहले भी नगर परिषद की तरफ से 7 हजार 777 स्ट्रीट लाइट लगाई जा चुकी हैं। चेयरपर्सन ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में शहर का विकास तेजी से हो रहा है। बड़े प्रोजेक्ट पर भी जल्द ही काम शुरू होने वाला है। इस अवसर पर पार्षद बलराज सिंह, पूर्व पार्षद विक्की शर्मा, शक्ति सौदा, सुरेंद्र जांगड़ा, सुरेंद्र पहलवान, पार्षद प्रवेश शर्मा, रविंद्र गिल, धर्म सिंह, अशोक धीमान, रिक्की शर्मा, सुभाष नागपाल सहित अन्य मौजूद रहे।

उद्घाटन व शिलान्यास आज

नगर परिषद चेयरपर्सन सुरभि गर्ग आज वार्ड नंबर 22 में 50 लाख रुपये से बनी व बनने वाली गलियों का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगी। वार्ड नंबर 22 से पार्षद राजेश सिसोदिया ने यह जानकारी दी। बताया कि विजय साइकिल से लेकर मार्केट कमेटी कार्यालय तक 23 लाख रुपये से बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया जाएगा। इसी प्रकार कई गलियां जो बनकर तैयार हो चुकी है, उनका उद्घाटन भी किया जाएगा। नप चेयरपर्सन के कार्यक्रम को लेकर तैयारियां की जा रही है। वार्ड वासियों में उत्साह का माहौल है। पार्षद ने बताया कि इससे पहले वार्ड 22 में कभी भी इतने विकास कार्य नहीं हुए हैं, जितने अब भाजपा सरकार में हो रहे हैं।

ये टोल फ्री नंबर किए जारी

- डोर-टू-डोर कचरा उठान के लिए-18008911863
- खराब स्ट्रीट लाइट ठीक करवाने के लिए-92533-45601

जाट शिक्षण संस्थान में स्वतंत्रता दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। ध्वजारोहण करते जाट हाई स्कूल सोसाइटी के प्रधान राजकुमार बेनीवाल | फोटो : हरिभूमि

जाट शिक्षण संस्थान, कैथल में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जाट हाई स्कूल सोसाइटी के प्रधान राजकुमार बेनीवाल व विशिष्ट अतिथि के तौर पर जाट हाई स्कूल सोसाइटी के उप प्रधान बलजिंदर बनवाला महासचिव एडवोकेट रश्मि ढुल व कोषाध्यक्ष बलकार नैन ने शिरकत की। शिक्षण संस्थान में पहुंचने पर सभी प्राचार्यों सहित कॉलेज स्टाफ सदस्यों ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि जनों का पुष्प गुच्छ व फूल मालाओं से स्वागत किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि प्रधान राजकुमार बेनीवाल को एनसीसी कैडेट द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया व एनसीसी कैडेट मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि जनों को मार्च पास्ट करते हुए मुख्य कार्यक्रम स्थल तक लेकर गए। जहां सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने मिलकर स्वतंत्रता सेनानियों व दीनबंधु सर छोटू राम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा उन्हें नमन करते हुए याद किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि राजकुमार बेनीवाल ने विधिवत्त ध्वजारोहण किया व तिरंगे झंडे को सभी के साथ मिलकर सलामी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजकुमार बेनीवाल ने अपने संबोधन में सभी देश व प्रदेशवासियों को 79 वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी और सभी स्टाफ सदस्यों व छात्रों से आह्वान किया कि हमें देश के प्रति सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। जाट कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर दिनेश सिंह, जाट आईटीआइ प्राचार्य कुलदीप गोपेरा, जाट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्राचार्य नरेश कुमार, जाट शइनिंग स्टार प्राचार्य पंकज गुप्ता व स्टाफ सदस्य राजपाल चहल, चंद्र प्रकाश ,सतवीर सिंह ,सुशील कुमार, मनीष कुमार, डॉ. सुदेश राविश, अजीत ढुल, डॉ रेणुका, मोनिका, सीमा देवी, बलराज सिंह, डॉ राजेश बनवाला, कर्मवीर चहल, कार्यालय अधीक्षक कुलबीर चहल, रविंद्र चहल सहित सभी शिक्षक व गैर शिक्षक स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

जन्माष्टमी भक्ति और संस्कृति का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी। भंडारे में प्रसाद लेते श्रद्धालु फोटो : हरिभूमि

जन्माष्टमी के अवसर पर गांव रसीना के ऋण मोचन तीर्थ स्थान पर स्थित मंदिर परिसर में भंडारा लगाया गया। इसके अलावा सायं के समय कुश्ती दंगल का भी आयोजन किया गया। अबकी बार ग्रामीणों के सहयोग से युवा की टीमों ने सफल आयोजन में भागीदारी की।

ग्रामीणों का कहना था कि भारत त्योहारों का देश है। यहां प्रत्येक त्यौहार अपने साथ विशेष महत्व और धार्मिक आस्था लेकर आता है। इन्हीं में से एक है श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, जिसे बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह पर्व भगवान विष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति और संस्कृति का प्रतीक है। यह हमें प्रेम, त्याग और कर्तव्य पालन का संदेश देता है। हमें श्रीकृष्ण की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाना चाहिए और सच्चाई तथा धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए। गांव में हर वर्ष तीर्थ स्थान पर भंडारे व कुश्ती का आयोजन किया जाता है। गांव में आज हुई कुश्ती में पटियाला से आई लड़की ने कैथल के एक लड़के को हरा दिया। वहीं अनेक युवाओं ने अपना दमखम कुश्ती में दिखाया। ग्रामीणों ने कुश्ती को पूरे आनंद से देखा और पहलवानों का पूरा मान सम्मान किया। कुश्ती कार्यक्रम में राजेश बरसाना ने भी विशेष तौर से शिरकत की। इस मौके पर सुरजीत, नरेंद्र, बलजीत आदि मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारी विवि में मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

■ सुख शांति भवन परिसर पर आध्यात्मिक प्रवचन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद। रह्माकुमारी आश्रम में कृष्णा जन्माष्टमी उत्सव मनाते हुए बच्चे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय राजौंद द्वारा श्री कृष्णजन्माष्टमी के पर्व को ब्रह्माकुमारी राजयोग सेवा केन्द्र राजौंद के सुख शान्ति भवन परिसर पर ही आध्यात्मिक प्रवचन तथा राधेकृष्ण की चैतन्य झांकियां निकाली गई। बड़े ही श्रद्धा भाव सेवा धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम के प्रमुख रुप से असंध सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी उषा दीदी और असंध गीता कॉलोनी सेवाकेंद्र प्रभारी सरिता दीदी विषेश रुप से शामिल हुई। उन्होंने बताया कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व कृष्ण जैसा महान बनने की प्रेरणा देता है अब समय आ गया है की शीघ्र यह रोग, शोक, कष्ट, दुख, दर्द की दुनिया विलय होने वाली है और सुख, शान्ति, पवित्रता, दैवी गुण से सम्पन्न नई सतयुग दुनिया का उदय होने वाला है।इस दौरान सरीता दीदी ने सबको जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी और राजयोग का अभ्यास करवाकर सन्देश दिया की राजयोग द्वारा हम बड़े से बड़े, ऊंचे से ऊंचे लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

जन्माष्टमी का त्यौहार मनाते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

श्वेता रॉयल स्कूल में जन्माष्टमी का त्योहार

पूंडरी। करनाल रोड पर स्थित श्वेता रॉयल पब्लिक स्कूल फतेहपुर पुंडरी में जन्माष्टमीष व स्वतंत्रता दिवस का पर्व बड़े ही उत्साहवर्धक मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर में दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने श्री कृष्ण मुकुट बनाना मोरपंख, रंग भरो, डांस, दही, हांडी सजाना, बांसुरी सजाना आदि गतिविधियों में भाग लिया। विद्यार्थियों ने नृत्य लघु, नाटिका, गीत व झांकिया निकालकर पूरे स्कूल प्रांगण को खुशनुमा बना दिया था। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय में अनेक राष्ट्रीय से ओत.प्रोतु समूहगनु देशभक्ति गीतु कविता वाचन भाषणु स्लोगनु लेखन रंग भरो आदि गतिविधियाँ करवाई गई। इस मौके पर बच्चे स्वतंत्रता सेनानियों की और राधा.कृष्ण की पोषक में अति सुंदर दिखाई दे रहे थेद्यअधिकतर बच्चे तिरंगे के आकार व रंगों के पकवान लेकर आए। बच्चो व स्टाफ सदस्यों ने एक.दूसरे को मिठाई व अन्य पकवान खिलाकर पर्व का खूब लुफ्त उठाया इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक दीपक वालिया और प्राचार्या प्रियंका वालिया ने सभी स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को इस पावन पवित्र पर्व श्रीकृष्ण जन्मोत्सवष व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

वक्त का हर क्षण और रक्त का हर कण अमूल्य : डॉ. राज सैनी

■ आयोजित रक्तदान शिविर में 51 युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। रक्तदाता को बैज लगाते हुए कर्मवीर सैनी। फोटो : हरिभूमि

79 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में राज अस्पताल पर लाइफ लाइन ब्लड सेंटर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन मुख्यातिथि कर्मवीर सैनी द्वारा रिबन काट कर किया। राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी के रक्तदान शिविर में पहुंचने पर डा. राज सैनी ने बुक्का देकर स्वागत किया। जिसमें कर्मवीर सैनी राज्य सूचना आयुक्त ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर रक्तदाताओं का हौंसला अफजाई की ओर सभी रक्तदाताओं को प्रोत्साहन हेतु बैज लगाए गए। बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर कर्मवीर सैनी ने बताया कि आपको रक्तदान के लिए धन या ताकत की जरूरत नहीं होती है। रक्तदान के लिए तो एक बड़ा दिल और मुक्त मन की जरूरत होती हैं। यह रक्तदान शिविर राज अस्पताल के संचालक ओर भाजपा के वरिष्ठ नेता डा. राज सैनी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। वक्त का हर क्षण और रक्त का हर कण अमूल्य होता है। रक्तदान करके देखो अच्छा लगता हैं। जाना चाहते हो अगर किसी के दिल में, तो एक ही रास्ता है वो है रक्तदान करके। आपका रक्तदान किसी के लिए वरदान साबित हो सकता है। डा. राज सैनी ने बताया कि इस रक्तदान शिविर में लगभग 51 युवाओं ने रक्तदान किया है।

पूंडरी। श्री राधा कृष्ण गोशाला का भूमि पूजन में आहुति डालते सतपाल जांबा व

गोमाता आस्था-जीवन मूल्यों की धुरीः सतपाल

पूंडरी। शनिवार को ग्राम धेरडू में 18 एकड़ भूमि में बनने वाली श्री राधा कृष्ण गौशाला का भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। इसमें पूंडरी विधायक सतपाल जांबा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी द्वारा पांच लाख तथा ग्राम धेरडू के सरपंच ऋषिपाल द्वारा भी पांच लाख का योगदान दिया गया।

पूंडरी विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि गौशाला निर्माण केवल एक धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि समाज और संस्कृति को समर्पित एक ऐतिहासिक पहल है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए गौसेवा और सामाजिक उत्थान का केंद्र बनेगी। गौ माता भारतीय संस्कृति, आस्था और जीवन मूल्यों की धुरी हैं। गौशाला का निर्माण न केवल गौ संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह गाँव और क्षेत्र की एकता, सहयोग और धार्मिक चेतना का भी अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत धेरडू एवं *पंचगामा साधवाला मंदिर* समिति के विशेष सहयोग के बिना यह पुण्य कार्य संभव नहीं हो पाता। उनका योगदान समाज और धर्म सेवा के प्रति सच्ची निष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह श्री राधा कृष्ण गौशाला आने वाले समय में समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और यहाँ से गौसेवा, मानव सेवा एवं धार्मिक संस्कारों का अमृत प्रवाहित होगा।

लगभग 700 वर्षों से जगती अखंड ज्योत और हर रोज भरा जाता है हुक्का

गांव करोडा में रामनाथ डेरे पर मेले का किया आयोजन

■ बाबा के कमरे में रात्रि के समय किसी को जाने की इजाजत नही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाई

पाई। करोड़ा में रामनाथ के डेरे पर लगा विशाल मेला फोटो : हरिभूमि

पाई क्षेत्र के करोड़ा गांव स्थित रामनाथ के डेरे पर विशाल मेले, हवन तथा भंडारे का आयोजन किया गया। सबसे पहले डेरे में हवन किया गया और उसके बाद भंडारा लगाया। भंडारे में हजारों की संख्या में भक्तों ने भाग लिया। डेरे के महन्त खुशी नाथ ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया की गांव में लगभग पिछले 700 वर्षों से भी अधिक समय से इस कार्यक्रम का आयोजन लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया की यहां पर बाबा रामनाथ द्वारा जिंदा समाधि ली गई थी। उस समय से बाबा के कुंड के पास ही जमीन के नीचे समाधि बनी हुई है और उसी समय से यहां पर देशी घी की अखंड जोत जग रही है। उन्होंने बताया की बाबा को हुक्का पीने का विशेष शोक था और उसी समय से हुक्के को हर रोज ताजा करके भर कर रख जाता है। हुक्के पीने के लिये बाबा रामनाथ रात्रि के समय आते है। रात्रि को बाबा के सोने के लिए बिस्तर भी बिछाया जाता है। इस कमरे में सुरंग के रास्ते जमीन में जाया जाता है और शेर के मुंह के समान इसका गेट है। बाबा के कमरे में रात्रि के समय किसी को जाने की इजाजत नही है। उन्होंने बताया कि जिसे दिन बाबा ने समाधि ली थी, उस दिन भाद्व कृष्ण पक्ष सप्तमी थी। जिस कारण से इस दिन प्रति वर्ष मेले, हवन तथा भंडारे का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया की यहां मांगी गई हर मनोकामना पुरी होती है। जिसमें गांव के प्रत्येक घर से श्रद्धा अनुसार समान दिया जाता है। इस अवसर पर बाबा रामफल नाथ, सोमवार नाथ, सागर नाथ सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

यूं ली थी समाधि

डेरे के महन्त खुशी नाथ ने यह जानकारी देते हुये बताया कि इस डेरे का इतिहास बहुत पुराना है। उन्होंने बताया कि लगभग 700 वर्ष पूर्व यहां पर बाबा रामनाथ ने अपने चेलों के साथ नगुरा जींद से आकर भारी तपस्या की थी। उसके चेले बाद में कहीं और चले गये थे। जबकि बाबा राम नाथ ने इस स्थान पर जीवित समाधि ली थी। उन्होंने बताया कि बाबा रामनाथ ने अपने चेलों से जमीन में खुदाई करके गुफा बनाई थी। उस गुफा में बैठने के बाद बाबा रामनाथ ने अपने चेलों से उनके ऊपर चादर रखने की कही। जब चादर रखने के कुछ देर बाद चेलों ने चादर के नीचे देखा तो बाबा नही मिले। वे धरती में समा गये थे। तब से उसी स्थान पर गुफा के अंदर बाबा की समाधि है।

कौन था रामनाथ

महन्त खुशी नाथ ने बताया की बाबा रामनाथ का जन्म नंगुरा गांव में हुआ था। यह बालक शुरू से ही चमत्कारी था। 8 वर्ष की आयु में ही इसने अपने पिता से कहां की उसको उसके गुरू ने बवानी खेड़ा बुलाया है। पिता के मना करने के बावजूद भी वह अपने गुरू के पास चला गया। वहां जाकर देखा तो वहां सब उजाड़ था। उसके बाद ये सिधणवा आ गये। इसके गुरू ने इसको सपने में समझाया की वे बालक है और साधु मार्ग कठिन है, परन्तु उसके बाद भी ये नही माने। इसके बाद ये दुबारा से बवानी खेड़ा चले गये। वहां पर इसके गुरू ने अपने शिष्यों से कहा की करोडा अर्थात कोहड़ा में पाप बढ़ रहा है, वहां एक शिष्य जाकर पाप का अंत करे। इस पर इसने हां भर दी और गांव से बाहर बीहड़ जंगल में अपना धुना जमा लिया।

वीरों के बलिदान व संघर्ष की याद दिलाता है स्वतंत्रता दिवस : ढांडा

शिक्षा मंत्री ने किया ध्वजारोहण, परेड की सलामी ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि 15 अगस्त का यह दिन केवल कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि वह दिन है जो हमें याद दिलाता है मां भारती के असंख्य वीरों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर और असहनीय यातनाएं सहन कर हमें आजादी दिलवाई थी। आज पूरा भारत आजादी के उत्सव में तिरंगामय है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित केंद्र व हरियाणा की सरकार शहीदों के सपनों के भारत के निर्माण में जुटी हैं। भारत को सशक्त, आत्मनिर्भर और विश्व में अग्रणी बनाने में सभी नागरिक योगदान दें और संकल्प लें कि चाहे कैसी भी चुनौती हो, हम अपने देश की गरिमा, उसकी अखंडता और उसकी स्वतंत्रता की रक्षा में अडिग रहेंगे।

यही संकल्प, यही कर्म और यही त्याग हमारी ओर से हमारे अमर शहीदों के प्रति सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। महीपाल ढांडा शुक्रवार को पुलिस लाइन कैथल में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण के उपरांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में पहुंचते ही राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया। इसके बाद परेड की सलामी ली। समारोह में पहुंचने से पहले मुख्य अतिथि ने शहीद स्मारक पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। अपने संदेश में शिक्षा मंत्री ने सभी जिला वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी और देश की सीमाओं पर तैनात वीर सैनिकों को प्रणाम किया। इसके साथ ही उन्होंने ज्ञात-अज्ञात शहीदों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने भारत की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

पांच लाख रुपये देने की घोषणा

मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के आयोजन से खुश होकर जिला प्रशासन को पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। इसमें से 21 हजार रुपये परेड का नेतृत्व कर रहे डीएसपी ललित यादव को, 11 हजार रुपये मुख्य ड्रिल इंस्ट्रक्टर एएसआई अजय को देने की घोषणा की।

कैथल। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा परेड की सलामी लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

यूं चला कार्यक्रम

जिला स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण के बाद मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने डीसी प्रीति एवं एसपी आस्था मोदी की मौजूदगी में परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद डीएसपी ललित यादव की अगुवाई में मंच के सामने से गुजरती हुई परेड की सलामी ली। इसके बाद जिले भर के करीब दो हजार से अधिक स्कूली बच्चों ने मास पीटी, डंबल एवं लेजियम शो का प्रदर्शन किया। एईसी रमेश चहल ने इन बच्चों का मार्गदर्शन किया। इसके बाद डीएवी पब्लिक स्कूल पूंडरी के बच्चों ने योग का प्रदर्शन किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें सबसे पहले जवाहर नवोदय विद्यालय के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाखौली अड्डा एवं राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति में छठ्ठी कक्षा की दिव्यांग छात्रा दिव्या ने अपनी प्रतिभा से सभी का मन मोह लिया। इसके बाद श्री नर नारायण सेवा समिति द्वारा पढ़ाए जा रहे बच्चों ने प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। इसके बाद सिल्वर ऑक पब्लिक स्कूल व आरकेएसडी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने कोरियोग्राफी की प्रस्तुति से विभिन्न सांस्कृतिक विभिन्नताओं में देश की एकता पर प्रस्तुति दी।

परेड व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में ये टीमें रहीं विजेता

जिला स्तरीय समारोह में आयोजित परेड में महिला पुलिस की टुकड़ी प्रथम, पुरुष पुलिस की टुकड़ी द्वितीय व स्काउट की टुकड़ी तृतीय स्थान पर रही। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सुपार्श्व जैन पब्लिक स्कूल की टीम ने प्रथम, राधाकृष्ण पब्लिक स्कूल की टीम ने द्वितीय व आरकेएसडी पब्लिक स्कूल की टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया। मुख्य अतिथि ने इन सभी विजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर एडीजे अमित कुमार गर्ग, एडीजे अनु पमिश मोदी, एसीजे विनोद कुमार, जेएमआईसी संदीप कौर, जेएमआईसी तुषार शर्मा, सिविल जज महादेव मित्तल मौजूद रहे। वहीं इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्षा ज्योति सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक कुमार गुर्जर, पूर्व चेयरमैन कैलाश भगत, जिला महामंत्री सुरेश संधू व मनीष शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष मनीष कठवाड़, आदित्य भारद्वाज, कुशलपाल सैन, सतबीर भाणा, डीसी प्रीति के परिवार से उनके पिता महिंद्र सिंह, माता जगमति देवी इंसा, बहन डा. भावना, उनके जीजा विश्व दीपक, भाई सचिन सभ्रवाल, परिजन पारुल, ओमप्रकाश, नीलम, अधर्व व अलंकृता भी मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

मां भारती के सपूतों के बलिदान से मिली आजादी : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राज्य सभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि मां भारती के असंख्य वीर, सपूतों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर हमें आजादी दिलाई। आज उन वीर जवानों को प्रणाम करती हूं, जो देश की सीमाओं पर विपरीत परिस्थितियों में भी तिरंगे की शान को बरकरार रखे हुए हैं, जिनकी बदौलत आज हम खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं। आज पूरा भारत तिरंगामय है, हर गली, हर घर तिरंगे के रंग में रंगा हुआ है और हर कौने में देशभक्ति की गूंज है। यह तिरंगा हमारे इतिहास ए संघर्ष और सपनों का जीवंत प्रतीक है।

■ राज्यसभा सांसद ने जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में किया ध्वजारोहण

राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा नई अनाज मंडी में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में बतौर मुख्यअतिथि जिलावासियों को संदेश दे रही थी। इससे पहले राज्य सभा सांसद ने गोहाना रोड स्थित शहीदी स्मारक जाकर देश के जाने व अनजाने शहीदों को याद कर उन्हें पुष्पचक्र चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनको नमन किया। इस अवसर पर उनके साथ उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा और पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह भी मौजूद रहे। राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि आज का यह दिन केवल कैलेंडर की तारीख नही बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का दिन है। जब-जब दुश्मन ने भारत की अस्मिता पर चोट पहुंचाने का प्रयास किया है तब-तब हमारे देश के वीर जवानों ने दुश्मन को करारा जवाब देने का काम किया है। हाल ही में पूरी दुनिया ने देखा कि किस प्रकार 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतार दिया और हमारी बहनों के सिंदूर को उजाड़ दिया। यह केवल नागरिकों पर एक आतंकी हमला नही था बल्कि भारत की आत्मा पर किया गया एक दुस्साहस पूर्ण प्रहार था। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना के तुरंत बाद स्पष्ट और कड़े शब्दों में कहा था कि भारत आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलेगा और इस हमले के पीछे जो भी हैं, उन्हें उनकी कल्पना से भी परे कठोर जवाब मिलेगा। आज मुझे यह कहते हुए अत्यंत गर्व की अनुभूति हो रही है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सात मई की रात को हमारे वीर सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। जिसमें हमारी सेना के वीर जवानों ने पाकिस्तान की धरती पर पाकिस्तान द्वारा पोषित नौ ठिकानों को ध्वस्त किया। ऑपरेशन महादेव चला कर हमारे सुरक्षाबलों ने पहलगाम हमले में शामिल सभी आतंकियों को समाप्त करने का काम किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने शहीदों के परिवारों के सम्मान और कल्याण को हमेशा प्राथमिकता दी है। जो जवान देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए उनके परिवार में एक को सरकारी नौकरी दे रही है। अक्तूबर 2014 से जून 2025 तक 410 शहीद परिवारों के आश्रितों को नौकरी दी गई है। हरियाणा सरकार ने हाल ही में अपने बजट भाषण में चरखी दादरी, हिसार और यमुनानगर में सेना की भर्ती की तैयारी के लिए सशस्त्र बल तैयारी संस्थान खोलने का निर्णय लिया है।

जींद। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

सम्मानित किया

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को मुख्य मंच पर उनके पास जाकर उन्हें सम्मानित किया और कहा कि देश सेवा में आपके परिजनों के दिए गए बलिदान का कर्ज कभी उतारा नहीं जा सकता। वहीं समारोह में पुलिस तथा विभिन्न स्कूल के बच्चों ने मार्च पास्ट किया। समारोह में बेहतरीन कार्य करने वालों को भी सम्मानित किया गया।

यह रहे मौजूद

समारोह में एडीसी विवेक आर्य, एएसपी सोनाक्षी सिंह, सीजेएम अमित सिहाग, नगर परिषद की चेयरपर्सन अनुराधा सैनी, भाजपा जिला अध्यक्ष तेजेंद्र ढुल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मंडलायुक्त ने लक्ष्य शर्मा को किया सम्मानित

जुलाना। जुलाना में आयोजित कार्यक्रम में हिसार के मंडलायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने मुख्य अतिथि शिरकत कर ध्वजारोहण किया और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सराहनीय काम करने पर सर्व कल्याण मंच के सचिव लक्ष्य शर्मा ने सम्मानित किया। लक्ष्य शर्मा ने जनवरी 2025 में गुजरात के गांधीनगर में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन अंतर राज्य युवा आदान प्रदान कार्यक्रम में जींद जिले का प्रतिनिधित्व किया था। पिछले वर्ष हुबली धारवाड़ (कर्नाटक) में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लिया था।

आरकेएसडी महाविद्यालय में किया ध्वजारोहण

कैथल। आरकेएसडी महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्यातिथि एवं प्रधान आरवीएस एवं प्रबंधक समिति अश्वनी शोरेवाला ने मुख्यातिथि के रूप में ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के पश्चात भारत माता के जयकारों के साथ महाविद्यालय प्रागंण देशभक्ति की भावना से गुंज उठा। उनके साथ श्याम बंसल उपप्रधान आरवीएस, महासचिव आरवीएस एवं प्रबंधक समिति पंकज बंसल, कोषाध्यक्ष आरवीएस अशोक मंगल एवं सुनील चौधरी कोषाध्यक्ष प्रबंधक समिति, पूर्व प्रधान अनिल शोरेवाला एवं साकेत मंगल एडवोकेट, पूर्व उपप्रधान नरेश शोरेवाला, शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी अरुण सर्राफ, प्राचार्य डॉ राजबीर पारासर, आदि रहे।

नरवाना में जिप चेयरपर्सन ने किया ध्वजारोहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

उपमंडल स्तरीय 79 वां स्वतंत्रता विस समारोह बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ स्थानीय नई अनाज मंडी मेला ग्राउण्ड के प्रांगण में मनाया गया। उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्यातिथि जिला परिषद चेयरपर्सन मनीषा रानी रंधावा ने ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया।

उन्होंने नवदीप स्टेडियम में शहीदी स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में परेड का नेतृत्व पीएसआई बलवान सिंह ने किया। परेड में पीएसआई गुरमीत सिंह की अगुवाई में हरियाणा पुलिस सशस्त्र बल, केएम कॉलेज की एनसीसी सीनियर डिविजन लडकी एवं लड़के जिनकी अगुवाई कुमारी ज्योति व सार्जेंट राहुल ने की। एसडी कन्या महाविद्यालय नरवाना की एनसीसी टुकड़ी जिसका नेतृत्व अंडर ऑफिसर कुमारी निर्मल, आईटीआई नरवाना एनसीसी विंग्ज, ज्ञान सागर आईटीआई एनसीसी विंग जिनकी अगुवाई रींकू व सार्जेंट अमित ने की। ज्ञानेंद्रा पब्लिक स्कूल की एनसीसी टीम व सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल एनसीसी टीम का नेतृत्व कुमारी जैस्मिन और कुमारी आंचल के द्वारा किया गया। मार्च पास्ट के वक्त सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल नरवाना के छात्रों द्वारा बैंड की धुन बजाई गई। जिसका नेतृत्व सोमिल कुमार ने किया।

चेयरपर्सन मनीषा रानी रंधावा ने कहा कि जो कौमें अपने सेनानियों, शहीदों एवं पूर्वजों को याद रखती हैं, उनका अस्तित्व हमेशा जिंदा रहता है। तिरंगा हमारे इतिहास संघर्ष और सपनों का जीवन प्रतीक है। जब जब दुश्मन ने भारत की अस्मिता पर चोट पहुंचाने का प्रयास किया है तब तब हमारे देश के जवानों ने दुश्मन को करारा जवाब देने का काम किया है।

जींद। मार्च पास्ट की सलामी लेती हुई मुख्यातिथि।

हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद की छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हिंदू कन्या महाविद्यालय की एनसीसी विगं एवं एनएसएस ईकाई के द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत 14-15 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर एवं संचालन एनसीसी प्रभारी अंजू एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी क्रांति ने किया।

इस अवसर पर प्राचार्या ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा यात्रा एक महत्वपूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन है। जिसमें भारतीय नागरिक अपने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के साथ यात्रा करते हैं और तिरंगा यात्रा से सभी वर्ग, धर्म और क्षेत्रों के लोग एकजुट होते हैं। यह राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान करता है। इस अवसर पर सभी छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में तिरंगा यात्रा निकाली और लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए घर-घर में तिरंगा लहराएंगे, आजादी का अमृत महोत्सव मनाएंगे जैसे नारे लगाए।

जींद। तिरंगा यात्रा निकालते हुए छात्राएं।

कलायत। विधायक सतपाल जांबा अव्वल रही टीम को सम्मानित करते हुए।

विधायक जांबा ने कलायत में किया ध्वजारोहण

कलायत। पूंडरी विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि भारत के अनगिनत वीरों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर हमें आजादी दिलाई। आजादी के बाद भी जब जब देश के दुश्मनों ने भारत गौरव को ठेस पहुंचाने की कोशिश, तब तब हमारे बहादुर सैनिकों ने उसका मुहतोड़ जवाब दिया है और देश के तिरंगे की आन-बान-शान को कम नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी के नेतृत्व में देश विकसित भारत की राह में तेजी से बढ़ रहा है। इस विजन को साकार करने के लिए सभी नागरिकों को भी अपना योगदान देना चाहिए। विधायक सतपाल जांबा शुक्रवार को अनाज मंडी कलायत में 79वें स्वतंत्रता दिवस पर क्षेत्र वासियों को अपना संदेश दे रहे थे। उन्होंने अनाज मंडी में पहुंचकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया, इसके बाद उन्होंने परेड निरीक्षण कर सलामी ली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे बहादुर सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और दुश्मन के नापाक इरादों को ध्वस्त किया।

चिराग पब्लिक स्कूल में ‘देशभक्ति की उमंग, तिरंगे के संग’ का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

चिराग पब्लिक स्कूल मे स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति की उमंग तिरंगे के संग में विद्यालय के सभी बच्चों एवं स्टफ सदस्यों ने बड़े ही गर्व के साथ भाग लिया।

तिरंगे की शान के साथ पूरा विद्यालय प्रांगण देशभक्ति के रंग में रंग गया। विद्यार्थियों ने ऊर्जावान देशभक्ति गीतए कविताएँए भाषण और पोस्टर मेकिंग आदि से सभी का मन मोह लिया। स्वतंत्रता के अर्थ और जिम्मेदारियाँ विषय पर बच्चों द्वारा दिए गए संदेशपूर्ण विचारों ने सभी को प्रेरित किया। विद्यालय परिसर को तिरंगे झंडों और प्रेरणादायक नारों से सजाया गयाए जिससे वातावरण में देशभक्ति की विशेष ऊर्जा महसूस हो रही थी। अध्यापकगणों के प्रभावशाली नेतृत्व ने कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया।

प्रधानाचार्य रमेश वत्स ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन करते हुए बच्चों को देश की एकताए अखंडता और प्रगति के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। विद्यालय में सभी बच्चों एवं अध्यापकगणों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने व विद्यालय का देशभक्ति वातावरण बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उचाना की कपास मंडी में मनाया स्वतंत्रता दिवस

उचाना। कपास मंडी में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्यअतिथि के तौर पर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री पहुंचे। मुख्यअतिथि का स्वागत एसडीएम दलजीत सिंह, डीएसपी संजय कुमार ने किया। ध्वजारोहण के बाद परेड की सलामी विधायक ने ली। सांस्कृति प्रस्तुति देते हुए धूम मची हरियाणा की पर गुरप डांस प्रतिभागी कर रहे थे विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री अपनी सीट से उठ कर मंच पर झूमने लगे। सौहार्द का संदेश देते हुए तिरंगा रंग के गुब्बारों को आसमान में छोड़ा। विभिन्न विभागों द्वारा झांकी प्रस्तुत की तो विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा शानदार प्रस्तुति दी। हरियाणवी, देशभक्ति गीतों पर गुरप डांस करने के अलावा पहलगाम हमले पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की नाटिका ने लोगों को भावविभोर कर दिया। विधायक द्वारा समाज सेवा में योगदान देने वालोंए विभागों में बेहतर कार्य करने वालों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। पत्रकार वार्ता में कांग्रेस द्वारा वोट चोरी के आरोपों पर बोलते हुए विधायक ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है। विपक्ष पहले भी लोगों को गुमराह करता रहा है। बहुत ऐसे सीटें हरियाणा में जहां कांग्रेस के उम्मीदवार 500 से 1 हजार मतों से जीते है। लोगों को कांग्रेस बहकाने का काम कर रही है।

‘एक शाम शहीदों के नाम’ कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने मचाया धमाल

जींद। स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर स्थानीय होटल में जींद सैंट्रल जेसीज द्वारा स्वतंत्रता दिवस के पर्व पर आयोजित देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम 25वें एक शाम शहीदों के नाम का आयोजन बड़े ही जोर-शोर से किया है। कार्यक्रम में शहर के 14 स्कूलों के 200 के करीब बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यअतिथि डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा सम्मानित अतिथि आधारशिला स्कूल की डायरेक्टर अंजू सिहाग व सचिन कुमार ने दीप प्रज्जवलित कर की। संस्था के अध्यक्ष जेसी राजकुमार ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल विद्यार्थियों द्वारा अपनी देशभक्ति से ओतप्रोत मनमोहक प्रस्तुतियां दी व उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम के परियोजना समन्वयक जेसी प्रदीप शर्मा व जेसी अमित जैन को उनके द्वार कार्यक्रम को इतना सुंदर व मनमोहक रूप देने के लिए धन्यवाद भी किया गया।24 सालों से हो रहा आयोजन गौरतलब है कि यह कार्यक्रम संस्था द्वारा पिछले 24 वर्षों से कराया जा रहा है। और संस्था का 25वां कार्यक्रम था। संस्था के संरक्षक जेसी केसी गुप्ता व जेसी रोशन लाल गोयल ने सभी अतिथियों को सम्मानित किया।

महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा जगाई शिक्षा की अलख को आगे बढ़ाते रहने का आह्वान

स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए सबसे बड़े गर्व का दिन : कर्मवीर सैनी

■ राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने किया ध्वजारोहण

■ राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने किया ध्वजारोहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने कहा कि हमारे लिए स्वतंत्रता दिवस सबसे बड़े गर्व का दिन है। यह दिन हमें अनेक वीर शहीदों की कुर्बानियों के बाद मिला है। जिनकी बदौलत आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले उन सभी अमर शहीदों को नमन करते हुए हमें देश के विकास में अपना हर संभव योगदान देना चाहिए। आज का दिन भारतीय सेना के उन सभी वीर जवानों को भी प्रणाम करने का दिन है, जो देश की सीमाओं पर विपरीत परिस्थितियों में भी तिरंगे की शान को बरकरार रखे हुए हैं। कर्मवीर सैनी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जींद शहर के सफीदों रोड पर स्थित सैनी धर्मशाला में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ध्वजारोहण करने के उपरांत लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा जो शिक्षा की अलख जगाई गई थीए उसी की बदौलत आज देश के समस्त दलित व पिछड़े समाज के लोग जहां बड़े.बड़े संवैधानिक पदों पर विराजमान हैं वहीं अपने बड़े कारोबारी बनकर समाज में प्रतिष्ठा हासिल किये हुए हैं। महात्मा ज्योतिबा फुले ने गुलामी के दौर में जिन विपरीत परिस्थितियों में शोषित व वंचित वर्ग के शिक्षा देकर साक्षर बनाने का काम किया।

जींद। ध्वजारोहण करते हुए कर्मबीर सैनी।

पौधरोपण कर पर्यावरण को शुद्ध बनाएं

राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने लोगों से सामाजिक बुराइयों अनपढ़ता, दहेज प्रथा, बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या इत्यादि के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने और ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण कर पर्यावरण को शुद्ध बनाने का भी आह्वान किया। इससे पहले उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर सैनी सभा जींद के जिला प्रधान सतबीर सैनी, सैनी धर्मशाला समिति के प्रधान जिले सिंह सैनी, जिला पार्षद विनोद सैनी, राजा सैनी जलालपुरा, राजा सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ना करें किसी से तुलना
आप स्वयं हैं अनमोल

कई लोग हमेशा दूसरों से अपनी तुलना करते रहते हैं और खुद को कमतर आंकते हैं। ऐसे लोग न जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर पाते हैं और न ही खुश-संतुष्ट रहते हैं। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो आपको अपना नजरिया बदलना होगा। ऐसा कैसे कर सकते हैं, जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

कई लोग यह सोचकर हमेशा परेशान और दुखी रहते हैं कि वे दुनिया से पिछड़ गए। ऐसा अकसर वही लोग करते हैं, जिन्हें यह आभास नहीं कि हम ईश्वर की अनमोल कृति हैं। प्रकृति ने हमें अतुलनीय गुण दिए हैं। दुनिया का कोई भी सजीव दूसरे सजीव से हूबहू मेल नहीं खा सकता।

तुलना है निरर्थक

इस बात को समझ लेना जरूरी है कि आप इस ब्रह्मांड में अपने जैसे अकेले ही हैं। इसलिए दूसरों से तुलना करना या उनके जैसा बनने की कोशिश करना व्यर्थ की मशक्कत है। इसमें अपना समय, श्रम, धन और ऊर्जा का अपव्यय करने की बजाय स्वयं को निरंतर निखारने के जतन करें। आम का स्वाद या आकार केले जैसा हो या अमरूद का स्वाद संतरे जैसा हो तो क्या आप इसे कभी सच्चे मन से स्वीकार कर पाएंगे? आप करेले को उसकी कड़वाहट के साथ उसके गुणों के कारण ही तो स्वीकार करते है।

एक तरह का भ्रम है परफेक्शन

परफेक्शन यानी संपूर्णता एक ऐसी भावना है, जो हमें निरंतर परेशान करती है। लेकिन इसे कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि जिस पल आप स्वयं को किसी भी मायने में पूर्ण करते हैं, वह अगले ही पल बदली हुई परिस्थितियों और समय के कारण अपूर्ण या पुरातन हो जाता है। संसार में बुराई, दुख और अपूर्णता अपरिहार्य हैं। दुख ऐसी भावना है, जो हर व्यक्ति के जीवन में किसी न किसी रूप में अनुभव होती ही है। अपूर्णता जीवन की मूलभूत सच्चाई है, जो हमें सिखाती है कि कुछ भी पूर्ण नहीं होता। बुराई और कमियां इस संसार में अंतर्निहित हैं। लेकिन धार्मिकता, पवित्रता और सरलता जैसे गुणों को विकसित करके उच्च अवस्था प्राप्त की जा सकती है। इस प्रक्रिया में अच्छे गुणों को प्राप्त और विकसित करके हम स्वयं को सुखी बना सकते हैं।

जीवन के अंग अच्छा-बुरा

हमारे व्यक्तित्व और जीवन में अच्छाई के साथ-साथ बुराई भी मौजूद होती है। किंतु हमें उन बुराइयों को पहचान कर उन पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। जीवन को संवारने के लिए हमें मूर्तिकार की तरह काम करना पड़ता है, जो अपनी मूर्ति बनाने के लिए पत्थर को काटता है, अनुपयोगी या अतिरिक्त पत्थर को छांटकर, छीलकर, रगड़ कर, घिसकर उसे एक सुंदर आकार देता है। हम चाहे जितनी किताबें पढ़ लें और चाहे जितने ज्ञानी हो जाएं, लेकिन यह ज्ञान अगर हमारे जीवन में नहीं उतरता है, उसे प्रभावित, निर्देशित या निर्धारित नहीं करता है तो यह सब बेकार है।

भावनाओं पर नियंत्रण जरूरी

कई बार आप अचानक इधर-उधर की बातें सोचकर, किसी की सफलता, समृद्धि या सुख को देखकर विचलित या दुखी हो जाते होंगे। स्वयं को कोसते हुए एक अनजान अपराधबोध से घिर जाते होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपनी भावनाओं पर बारीकी से नजर रखिए। आपकी विवेकशीलता ही इस भावनात्मक प्रभाव को रोक सकती है। यह क्षमता आपको स्वयं हासिल करनी होती है। जब आप दुखी करने वाली भावनाओं को पहचानना सीख लेते हैं तो खुश होने के

असर बढ़ने लगते हैं। आप तनाव और गुस्से में हों तो सोचिए कि इसकी मूल वजह क्या है? इसके पीछे कौन-सी चीज, व्यक्ति या स्थिति है? फिर यह विचार कीजिए कि वह क्या चीज है, जो आपको दूसरों से अलग बनाती है? यह ताकत आपको अनावश्यक गुस्से से बचाएगी और कोई वाजिब कारण है तो उसे दूर करने का मौका देगी।

करते रहें आत्मविश्लेषण

इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि लोग आपके कितने खिलाफ हैं या कितने लोग आपके समर्थन में हैं? आपको अपने आपको दृढ़ रखते हुए सही दिशा में कार्य करना होगा। आपको स्वयं से पूछना होगा कि मैं क्या हासिल करना चाहता हूं और उसके लिए क्या कर रहा हूं? जो कर रहा हूं, उसमें क्या त्रुटियां हैं, जिन्हें दूर करना है? बस फिर आपको सभी बाहरी चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा।

अतीत जैसा है आज का दौर

तुलना चाहे जैसी भी क्यों ना हो, व्यर्थ और निरर्थक ही होती है। चाहे वह व्यक्ति के संबंध में हो या समय और परिस्थिति के संबंध में हो। कुछ लोगों को अकसर यही सोचकर दुखी और परेशान होते देखा जा सकता है कि पुराना जमाना बहुत अच्छा था। उनका मानना रहता है कि उस समय के लोग और परिस्थितियां अच्छी थीं, तब चीजें सस्ती होती थीं, लोग मिलनसार और सहयोगी थे, लूटपाट, चोरी और डकैती नहीं होती थी। यह एक गलतफहमी है कि दुनिया कभी बहुत अच्छी थी। जिस समय के लिए आप यह सब सोचते हैं, उस समय के लोग भी यही सब सोचते थे कि उनसे पहले की दुनिया अच्छी होती थी। आप किसी भी युग का इतिहास या साहित्य पढ़ लीजिए, उस समय के अत्याचारी राजा महाराजा, बादशाह, सेठ साहूकारों के लूट और शोषण के किस्से, गरीबी का आलम और महंगाई की दास्तान पढ़ने को मिल जाएगी। लुटेरे, धोखेबाज, अपराधी, लालची मित्र, कंजूस मालिक और ईर्ष्यालु रिश्तेदार या पड़ोसी हर जमाने में रहे हैं। भगवान राम का जमाना हो या श्री कृष्ण का, हरिश्चंद्र का जमाना हो या मुगल बादशाह अकबर या फिर ब्रिटिश काल, हर युग में खलनायक हुए हैं। हमारा मन ही कुछ ऐसा है, जो हमेशा बीते हुए कल में या दूसरों में परफेक्शन और सुख ढूंढता है। दुनिया में हर समय मुट्ठी भर लोग ही बहुत अच्छे और मुट्ठी भर लोग ही बहुत बुरे हुए हैं। बाकी के लोग तो हमारी और आपकी तरह सामान्य इंसान रहे हैं। इन दुश्चिंताओं, उलझनों और बेचैनी से बचने का सिर्फ एक ही रास्ता है, तुलना न करके अपने मन-जीवन का ध्यान खुद रखना।

सबसे जरूरी रखें धीरज

बचपन से माता-पिता और गुरु हमेशा एक ही बात सिखाते रहे हैं, धैर्य रखना और मन को शांत रखना। याद करिए, बचपन में आप परीक्षा देने जाते थे तो मां या पिताजी यही कहते थे, पेपर ठीक से पढ़ना। कठिन लगे तो घबराना मत। बार-बार प्रश्न पढ़ना। प्रश्न समझ में आए तो उत्तर लिखना। यही मुश्किल परिस्थितियों से निपटने का अचूक फार्मूला है। आपको अपना मन शांत करने के लिए खुद पर निर्भर रहना है ना कि दूसरों पर।

परिवर्तन को स्वीकार करें

आपको अपने जीवन की जिम्मेदारी खुद ही लेनी होगी। जीवन सहज परिवर्तनों की एक श्रंखला है। इन परिवर्तनों को सहज भाव से स्वीकार करें। इनका विरोध करने या इनसे पलायन करने पर सिर्फ दुख ही महसूस होता है। वास्तविकता को स्वाभाविक समझकर अपने जीवन की रणनीति तैयार करें। परिवर्तनों के लिए किसी भी व्यक्ति या किस्मत को दोष न दें। इसके लिए आपको हर रोज कुछ पल अपने साथ बिताने होंगे। एकांत में चिंतन करना होगा। *

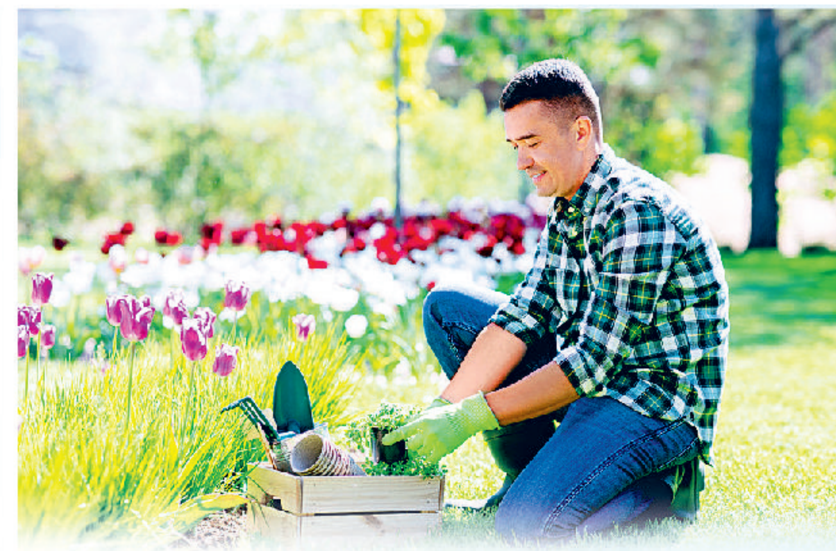

नेचर है पावरफुल मेंटल हीलर

यह सच है कि आज की आधुनिक जीवनशैली में लोग तकनीक के जाल में उलझकर, नेचर से दूर होते जा रहे हैं। इसी वजह से लोग मेंटल प्रॉब्लम्स की गिरफ्त में आ रहे हैं। इनसे मुक्ति पाने के लिए हमें नेचर के करीब जाना होगा।

लाइफस्टाइल
बुशरा फातमा

आस-पास फैली हरियाली, नदी, समंदर, झरने न सिर्फ देखने में सुंदर लगते हैं बल्कि ये हमारे मन को हील करने में भी मददगार साबित होते हैं। आज दुनिया जिस सोशल मीडिया के जाल में फंसती जा रही है, उस वजह से हर दूसरा इंसान अकेलेपन से जूझ रहा है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि एक तरफ टेक्नोलॉजी हमें चांद तक पहुंचा रही है, दूसरी तरफ हमारे पास एक अदद कोई अपना नहीं, जिससे हम अपने मन की बात कह सकें। आभासी दुनिया में भले ही ढेरों फ्रेंड्स हों लेकिन वास्तव में कोई ऐसा दोस्त नहीं मिलता, जिसे

हम अपना कह सकें। देश-दुनिया में डिप्रेशन के मामले और इसकी वजह से आत्महत्याएं इतनी ज्यादा बढ़ती जा रही हैं कि हेल्थ एक्सपर्ट्स डिप्रेशन को एक महामारी मानने लगे हैं।

नेचर की ओर करें रुख

हेल्थ और फिटनेस कंसल्टेशन के लिए डब्लूआईबीए अवार्ड विनर प्रमिला ओल्सन मुंबई की सेटल्ड लाइफ छोड़कर नीलगिरि की पहाड़ियों में आशियाना बनाकर रहने लगीं। दरअसल, शोर-शराबा, दौड़-भाग और तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से एक तरह का मानसिक दबाव महसूस होने लगता है, जिसकी वजह से प्रमिला को लगा कि अगर जिंदगी को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब रहना बहुत जरूरी है। लेकिन अब हर इंसान इतना बड़ा निर्णय तो नहीं ले सकता कि वो एक सेटल्ड लाइफस्टाइल को बदल ले, इसलिए अगर आपके आस-पास एक पार्क भी है तो दिन का थोड़ा वक्त वहां जरूर बिताइए। प्रामिला बताती हैं कि आजकल के डिजिटलाइजेशन के युग में लोग बहुत अकेले हो गए हैं और उन्हें कोई एक चीज बचा सकती है तो वो है प्रकृति।

मेंटल हेल्थ के लिए जरूरी

आज के दौर में लोगों पर बढ़ता वर्कलोड और बढ़ता तनाव, इस बात का इशारा कर रहा है कि अगर जीवन को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब जाना बहुत जरूरी है। खासतौर पर वर्कप्लेस का स्ट्रेस युवाओं को डिप्रेशन की तरफ ले जा रहा है। यही वजह है कि आजकल बहुत से लोग अच्छी-खासी जॉब छोड़ कर किसी पहाड़ी या समंदर के किनारे वाली जगह शिफ्ट हो रहे हैं। वास्तव में नेचर में एक हीलिंग पावर होती है। इसलिए बेहतर मेंटल हेल्थ के लिए नेचर से कनेक्टेड रहना बहुत जरूरी है। नेचर हमें फ्रेश, एनर्जेटिक और मेंटली हेल्दी बनाती है।

मिलता है सुकून-शांति

जीवन की भाग-दौड़ में अगर कोई चीज हम से छिन गई है तो वो है हमारा सुकून। प्रकृति के पास जाकर थोड़ा समय बिताने से हमें खुद को जानने-समझने का मौका मिलता है। वरना मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में हम खुद के अस्तित्व को भूलते जा रहे हैं। प्रकृति हमारा मन शांत करती है और हम जीवन को नए नजरिए से देख पाते हैं।

गार्डनिंग से मिलती है तनाव से मुक्ति

अगर आपके पास समय का अभाव है तो नेचर के करीब जाने की शुरुआत अपने घर के गार्डन से कीजिए। नए-नए फूलों वाले पौधे लगाइए। किचेन के लिए कुछ हर्ब्स उगाइए। ये छोटी-छोटी आदतें हमें तनाव से बचाने में मदद करती है। भले ही ये शौकिया हों लेकिन इतनी देर आप प्रकृति से जुड़े रहेंगे, जो बिना किसी दवा और डॉक्टर के आपके स्ट्रेस को कम कर देगा।

नेचर के करीब करें वर्कआउट

जिम जाकर ट्रेडमिल पर भागने से अच्छा है, वर्कआउट के लिए किसी खुले और पेड़-पौधों से घिरे जगह का चुनाव करें। कानों में हेडफोन लगा कर

दौड़ना भले ही फैशन हो लेकिन अगर आप रनिंग या जॉगिंग कर रहे हैं तो प्रकृति को सुनने का प्रयास कीजिए। ये हमें मानसिक रिलैक्सेशन देता है। आज हम सब जिस तरह के आक्रामक और अशांत मानसिकता के बनते जा रहे हैं, वहां सिर्फ प्रकृति के पास ही वो पावर है, जो हमें शांत-चित्त रख सकती है। *

कविता
विक्रम सिंह

मछलियां और हम

मछलियां जमीं पर
नहीं लेती सांस
और हम,
नभ के नीचे
घुटने को अभिशप्त हैं।
जंगलों की लाश पर
उठते हैं हमारे महल,
हर ईंट में कैद है,
एक सूखी सांस।
एक वक्त आएगा...
जब हवाएं भी पराई होंगी,
और हम
मछलियों की तरह,
अपनी ही धरती पर
मुरझा जाएंगे।

व्यंग्य / यशोधरा भटनागर

लुढ़कते लोटे

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं। 'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है।

साफ-सफाई के दौरान कुछ पुराने बर्तनों में पीतल का लोटा हाथ आ गया। मैंने उसे नीचे रखा तो यहां-वहां लुढ़कने लगा। उसे तो अपनी बनावट के कारण लुढ़कना ही था, लेकिन हमें हिंदी की कक्षा में पढ़ाया गया मुहावरा जरूर याद दिला गया, 'बिन पेंदी का लोटा।'

याद आया स्कूल में तो यह भी दूसरे मुहावरों जैसे ही रट लिया था जैसे 'गले का हार होना' या 'चिकना घड़ा होना', परंतु आज हमारे अंदर बैठे लेखक नामक जीव ने गूढ़ार्थ में गोते लगाने के लिए मजबूर कर दिया।

डुबकियां लगाते-लगाते ज्ञान प्राप्त हुआ कि आज के समय में बिन पेंदे का लोटा कोई मुहावरा नहीं, बल्कि खरपतवार की तरह फलती-फूलती एक प्रजाति है, जो राजनीति में, टीवी डिबेट में, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी में और मोहल्ले की चौपाल से लेकर सोशल मीडिया की टाइमलाइन तक हर जगह मौजूद है।

पहले यह गुण नेताओं ने अपनाया। कहा जाता 'वो नेता बिन पेंदे का लोटा है, कब किस दल में चला जाए, कहा नहीं जा सकता।'

गौर कीजिए एक नेता का वार्तालाप-

'मैं नैतिकता के आधार पर पार्टी छोड़ रहा हूं।'

'क्यों नेता जी?'

'इस पार्टी में नैतिकता बची ही कहां है भैया, इसीलिए।'

'तो किस पार्टी में जाओगे?'

'जहां मंत्री पद मिलेगा, वहीं नैतिकता भी मिल जाएगी।'

नेता अगर पत्ता भी तोड़ता है, तो पहले हवा का रुख देखता है। गिरेगा तो उसी दिशा में, जहां ट्रेंडिंग हो। कल तक जो पार्टी उनकी निगाहों में 'गुलाम मानसिकता' की थी, आज वहां जाकर बोलते हैं, 'मैं राष्ट्रसेवा के लिए आया हूं।'

आजकल नैतिकता के जी.पी.एस. विहीन लोटों की कमी नहीं है। अब ये लोटे केवल राजनीति में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी हैं। ये लोटे अब केवल पानी नहीं ढोते, ये व्यूज, लाइक्स और ब्रांड डील्स भी ढोते हैं। ये बिन पेंदी के लोटे डूबते-उतराते रीलों की लहर पर खूब बह रहे हैं।

एक गुरुजी ने पहले कहा, 'हम नई पीढ़ी को आलोचनात्मक चिंतन सिखाएंगे।'

जब बच्चे सरकार से सवाल करने लगे तो गुरु जी बोले, 'नालायक बन गए हैं, संस्कृति खत्म कर दी।'

अब वही गुरुजी पेड वेबिनार में 'नेशनलिज्म और योगा' पढ़ा रहे हैं, क्योंकि वही ट्रेंडिंग है। इन्हीं के चलते नैतिकता अब कूपन कोड बन गई है, मौके पर डालो, डिस्काउंट मिल जाएगा।

जब हम मीडिया के लोटे का पेंदा ढूंढ़ने लगे तो ढूंढ़ते रह गए। पहले कहते थे 'हम सत्ता की आंख में आंख डाल कर सच बोलेंगे।' अब सच को आंख-मिचौली का खेल बना दिया है।

आम जनता विलाप करती है, 'महंगाई हमें रुला रही है।'

रिपोर्टर पूछती है, 'लेकिन एक्ट्रेस की ड्रेस पर आपका क्या कहना है?'

बेरोजगार युवा कहते हैं, 'हमें नौकरी चाहिए।'

रिपोर्टर कहती है, 'एक बाबा ने जल में से निकाली सोने की मछली।'

गरीब गिड़गिड़ाता है, 'हमें राशन चाहिए साहब।'

रिपोर्टर उत्साहित होकर बताती है, 'देखिए, मंत्री जी की पोती ने गाया ऐसा मार्मिक देशभक्ति गीत, देश हुआ गौरवान्वित।'

महिला घबराकर कहती है, 'सड़क पर रोशनी नहीं है, डर लगता है।'

रिपोर्टर कहती है, 'देखिए, किस सेलिब्रिटी ने खरीदी तीन करोड़ की कार!'

एक समय था, जब कहा जाता था 'व्यक्ति को बिना पेंदे का लोटा नहीं होना चाहिए। बर्तन बड़ा या छोटा हो पर पेंदे वाला हो।' लेकिन आजकल हर कोई सोचता है, 'अगर लोटा बनेंगे, तो बहाव में चलेंगे। और बहाव वहीं है, जहां पावर है।'

अगर महाभारत आज लिखा जाता, तो शकुनि अपने भांजे दुर्योधन से कहता, 'मैं पांडवों का स्थायी दुश्मन नहीं हूं, राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं। फिलहाल सोशल मीडिया पर पांचों पांडव ज्यादा ट्रेंड कर रहे हैं, तो मैं भी उनकी तरफ चला जाता हूं।'

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं।

'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है। सिर्फ एक चीज स्थिर है और वो है अस्थिरता। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

उद्भ्रांत का बहुविध रचनाकर्म

करीब डेढ़ सौ पुस्तकों के रचनाकार उद्भ्रांत का रचना संसार बहुत विस्तृत है। उनके रचनाकर्म के विभिन्न आयामों पर अनेक आलोचकों के द्वारा लिखे गए लेखों की पुस्तक 'उद्भ्रांत का रचनाकर्म' कुछ समय पूर्व कैलाश बाजपेयी के संपादन में प्रकाशित होकर आई है। इसके पहले खंड में 19 आलोचनात्मक लेख हैं, जबकि दूसरे खंड में हरभजन सिंह मेहरोत्रा द्वारा उद्भ्रांत पर लिखा गया संस्मरण और शहंशाह आलम द्वारा लिया गया उद्भ्रांत का साक्षात्कार भी संकलित है। उद्भ्रांत की प्रसिद्ध रचना 'रुद्रावतार' पर डॉक्टर आनंद सिंह लिखते हैं, 'उद्भ्रांत की विशेषता यह मानी जानी चाहिए कि उन्होंने आधुनिक कविता के गद्याभासी समकालीन समय में मिथकाभासी छांदस कविता रचकर संश्लिष्ट सर्जनाशक्ति का परिचय दिया है, जो आजकल विलुप्त हो गई प्रवृत्ति है।'

शहंशाह आलम के द्वारा पूछे गए एक सवाल पर उद्भ्रांत का यह कथन उनकी लेखकीय प्रतिबद्धता को प्रकट करता है, 'हर कवि अपनी कविता का मुहावरा स्वयं खोजता है।' कह सकते हैं कि यह किताब उद्भ्रांत के रचनाकर्म को समझने का रास्ता मुहैया कराती है। *

पुस्तकः उद्भ्रांत का रचनाकर्म (आलोचना), **संपादकः** कैलाश बाजपेयी, **मूल्यः** 245 रुपए, **प्रकाशकः** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

बहुत अनोखा-सांस्कृतिक पर्व मिजोरम का मिम कुट उत्सव

भारत के उत्तरपूर्वी राज्य मिजोरम में मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव वैसे तो फसल कटाई का उत्सव है, लेकिन इस उत्सव में लोग अपने समुदाय के दिवंगत हुए लोगों को भी याद करते हैं। अनोखे और उल्लासपूर्ण ढंग से मनाए जाने वाले मिम कुट उत्सव के बारे में जानिए।

सांस्कृतिक उत्सव / धीरज बसाक

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मिजोरम में हर्षोल्लास से मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव, यहां की आत्मा में बसा पर्व है। यह पर्व मिजोरमवासियों को पूर्वजों की स्मृति के उल्लास से सामूहिक रूप में जोड़ता है। इस उत्सव में वे न केवल प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं बल्कि अपनी सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक गरिमा और मानवीय संबंधों की जीवंतता का भी उल्लास मनाते हैं। यह पर्व हमें संदेश देता है कि जब पूरा समाज मिलकर पूर्वजों की याद में हंसता, गाता है, तो ऐसा समाज अतीत को उत्सव के रूप में मनाता है।

सांस्कृतिक आत्मा में बसा उत्सव: वास्तव में भारत के पूर्वी राज्य मिजोरम की सांस्कृतिक आत्मा में यहां का मिम कुट उत्सव रचा-बसा है। मिम कुट उत्सव कहने को तो एक फसल पर्व है, लेकिन इसमें जीवन के उल्लासपूर्ण दर्शन का पूरा आख्यान छिपा है। वास्तव में मिजो भाषा में मिम का मतलब होता है मकई यानी मक्का और कुट का मतलब होता है त्योहार, यानी मिम कुट उत्सव प्रत्यक्ष रूप में मकई की बेहतर फसल का उत्सव है। यह उत्सव मकई की भरपूर फसल होने के खुशी में मनाया जाता है। लेकिन मकई तो कृषि जीवन का एक प्रतीक भर है। यह वास्तव में परिवार के पूर्वजों की स्मृति का उत्सव और स्मृति के शोक को उल्लास में बदलने का ढंग है।

उल्लास से करते हैं पूर्वजों को याद : मिम कुट उत्सव में परिवार के उन सभी बुजुर्गों/पूर्वजों को याद किया जाता है, जिनका उस साल या अतीत में निधन हुआ है। लेकिन यह दिवंगत बुजुर्गों को शोक संतप्त ढंग से याद करने का उत्सव नहीं है बल्कि ढोल की थाप में पूर्वजों की स्मृति को साझा करने का पर्व है। यह पर्व बहुत ही आनंद और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

कैसे मनाया जाता है उत्सव: यह पर्व पारंपरिक लेकिन उत्साहपूर्ण ढंग से मनाया जाता है, जिसमें पहले पक चुकी मक्का की बालियों को भूनकर गांव भर के पूर्वजों और देवी देवताओं की आत्माओं को समर्पित किया जाता है। इसके बाद गांव भर के लोग सामूहिक रूप से एकत्रित होते हैं। परंपरागत वेशभूषा में पुरुष और महिलाएं मिलकर चेराओ नृत्य करते हैं। यह नृत्य स्थानीय ढोल, गोंग और बांसुरी के साझा संगीत में संपन्न होते हैं। इस समारोह में पारंपरिक भोज और पेय की विशेष व्यवस्था होती है। खास करके 'जू' नाम की चावल से बना एक विशेष पारंपरिक पेय, इस भोज और उत्सव की खास पहचान होती है। यह पेय पूरे गांव के लोगों के बीच सामूहिक रूप से बांटा जाता है। इस पेय के साथ खाए जाने वाले तरह-तरह के पकवान भी पूरे गांव के लोग मिलकर बनाते हैं या इनकी व्यवस्था करते हैं।

इस बार कब मनाया जाएगा उत्सव

मिम कुट उत्सव हर साल अगस्त माह के अंत या सितंबर के पहले सप्ताह में मनाया जाता है। स्थानीय मान्यताओं के मुताबिक इस साल 1 से 3 सितंबर 2025 के बीच यह उत्सव मनाया जाएगा। गौरतलब है कि मिजोरम में स्थानीय चंद्र पंचांग का चलन है, जो कि फसल की स्थिति और सामूहिक सहमति पर निर्भर होता है। इसलिए अंग्रेजी कैलेंडर की तारीखों से यह आगे पीछे भी हो सकता है।

जब पूरे गांव के सभी बड़े, बुजुर्ग और बच्चे खाने-पीने और संगीत की मस्ती में झूम रहे होते हैं, तब युवा लोग अपनी तीरंदाजी और दूसरे खेल कौशलों, कुश्ती का प्रदर्शन करते हैं।

सामूहिकता में सामाजिकता की झलक: मिम कुट उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामूहिकता है। इसमें किसी जाति, वर्ग, उम्र, लिंग के लोगों का कोई भेद नहीं रहता। सब लोग एक साथ मिलकर यह उत्सव मनाते हैं। इससे सामूहिकता मजबूत होती है और सामाजिकता को भरपूर सम्मान मिलता है। इस उत्सव में जो भी लोग अपने-अपने घरों से लाते हैं, वह सामूहिक रूप से एक जगह इकट्ठा कर लिया जाता है। फिर इन तमाम चीजों का लोग मिलकर भरपूर आनंद लेते हैं। कोई नहीं जानता कि वह किसकी क्या चीज का आनंद ले रहा है। इसके साथ ही गांव के सभी लोग मिल कर नृत्य करते हैं। मिलकर भोजन तैयार करते हैं और मिलकर इस सबका आनंद लेते हैं।

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र: मिजोरम का मिम कुट उत्सव केवल एक पारंपरिक पर्व भर नहीं है बल्कि यह एक ऐसा सांस्कृतिक उत्सव बन चुका है, जो पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों को खूब आकर्षित करता है। देश-विदेश से आए पर्यटक मिजो संस्कृति, खान-पान, वेशभूषा और पारंपरिक जीवनशैली से परिचित होते हैं। इस पर्व के दौरान पर्यटकों के पास स्थानीय लोगों की हस्तशिल्प और दस्तकारी की कई अद्भुत चीजों को नजदीक से देखने और खरीदने का मौका मिलता है। पर्यटक स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उनकी ही जैसी पोशाक पहनकर, उनके ही जैसे लोकनृत्य करने की कोशिश करते हैं और इसका भरपूर आनंद लेते हैं। इस उत्सव में भाग लेने से पर्यटकों को प्रामाणिक जनजातीय अनुभव होते हैं। मिजोरम टूरिज्म विभाग अब इस उत्सव को अपने अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन कैलेंडर में भी प्रमोट कर रहा है।

ग्लोबलाइजेशन के दौर में मिम कुट महोत्सव: ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में दुनियाभर की संस्कृतियां एक-दूसरे से मेलजोल कर रही हैं, एक-दूसरे को जान-पहचान रही हैं। ऐसे समय में मिजो संस्कृति अपनी उदारता और खुलेपन के कारण दुनिया भर को आकर्षित कर रही है। मिम कुट उत्सव बताता है कि अगर आपके अंदर अपनी संस्कृति, अपनी पहचान धड़कती है, तो वैश्वीकरण की धुंध आपको प्रभावित नहीं कर सकती। आपकी अपनी चमक और धमक दोनों ही बनी रहती हैं। मिम कुट उत्सव जैसे पर्व इस वैश्विक समाज में अपनी शानदार सांस्कृतिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मिम कुट उत्सव जहां एक ओर स्थानीय मिजोवासियों को दुनिया के साथ मेल-जोल बढ़ाने का मौका देता है, वहीं दूसरी ओर यह उत्सव दुनिया के लिए मिजो संस्कृति की खिड़की खोलता है। *

पहली जॉब के लिए जरूरी हैं ये तैयारियां

अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद हर यंगस्टर अच्छी जॉब चाहता है, ताकि उसका करियर ब्राइट बन सके। लेकिन इसके लिए आपको कुछ तैयारियां जरूर करनी चाहिए और खुद में कुछ स्किल्स भी डेवलप करनी चाहिए। इनके बारे में जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

पहली जॉब शुरू करना किसी भी युवा के लिए एक यादगार और महत्वपूर्ण कदम होता है। यह न केवल एक नई जिम्मेदारी का प्रतीक है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर भी है, जिसका सही उपयोग करके आप पेशेवर दुनिया में अपनी पहचान बना सकते हैं और आगे चलकर अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। लेकिन इस क्षेत्र में सफलता पाने के लिए कुछ आदतों और तैयारियों की आवश्यकता होती है। इन तैयारियों और आदतों को अपनाकर आप न केवल जल्दी और अच्छा जॉब पा सकते हैं, बल्कि अपने करियर की मजबूत शुरुआत भी कर सकते हैं।

प्रोफेशनल रिज्यूमे-कवर लेटर: एक संक्षिप्त, आकर्षक और जॉब के लिए अनुकूलित रिज्यूमे बनाएं। अपनी उपलब्धियों को हाइलाइट करें। प्रत्येक जॉब आवेदन के लिए कवर लेटर को कस्टमाइज करें, जिसमें कंपनी और रोल के प्रति आपका उत्साह दिखे। रिज्यूमे में ऐसे कीवर्ड्स का उपयोग करें जो जॉब डिस्क्रिप्शन से मेल खाते हों। इंटरव्यू की समुचित तैयारी करें। सामान्य इंटरव्यू सवालों की प्रैक्टिस करें। कंपनी और जॉब रोल के बारे में रिसर्च करें। मॉक इंटरव्यू के लिए दोस्तों या मेंटर्स की मदद लें।

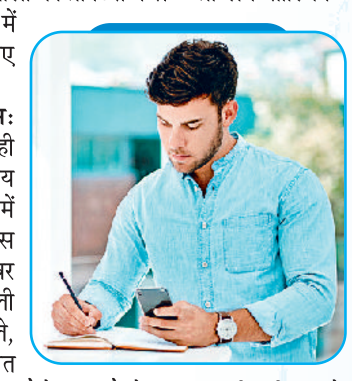

अनुशासन-समय प्रबंधन: कॉरपोरेट जगत में समय का सही प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। समय पर काम पूरा करना, मीटिंग्स में समय पर पहुंचना और डेडलाइंस का पालन करना आपके पेशेवर दृष्टिकोण को दर्शाता है। पहली जॉब में प्रवेश करने से पहले, अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें। एक डायरी या डिजिटल टूल जैसे गूगल कैलेंडर का उपयोग करें, ताकि आप अपने कार्यों को प्राथमिकता दे सकें। एक रुटीन बनाएं, जिसमें जॉब सर्च, स्किल डेवलपमेंट और नेटवर्किंग के लिए समय हो। हर हफ्ते 10-15 जॉब एप्लीकेशंस भेजने का लक्ष्य रखें। सुबह जल्दी उठने की आदत डालें, ताकि आप दिन की शुरुआत तरोताजा और ऊर्जावान तरीके से कर सकें। समय प्रबंधन की यह आदत न केवल आपके काम की गुणवत्ता को बढ़ाएगी, बल्कि आपके सहकर्मियों और बॉस पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

संवाद कौशल: कॉरपोरेट सेक्टर में प्रभावशाली संवाद एक अनिवार्य गुण है। चाहे वह ई-मेल लिखना हो, मीटिंग में अपनी बात रखना हो या सहकर्मियों के साथ विचार-विमर्श करना हो, स्पष्ट और संक्षिप्त बातचीत आपके विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है। पहली जॉब के लिए, अपने लिखित और मौखिक कम्युनिकेशन कौशल को निखारें। औपचारिक ई-मेल लिखने का अभ्यास करें, अपनी बात को आत्मविश्वास के साथ कहने की कला सीखें और सक्रिय श्रोता बनें। यदि आपकी अंग्रेजी या अन्य संवाद भाषा में कमी है, तो उसे सुधारने के लिए ऑनलाइन कोर्स या प्रैक्टिस सेशन में शामिल हों।

प्रोफेशनल एटीट्यूड: यह स्किल आपके करियर की नींव मजबूत बनाता है। जॉब ज्वाइन करने से पहले, कार्यस्थल के ड्रेस कोड, व्यवहार और संस्कृति को समझने की कोशिश करें। हमेशा पॉजिटिव और प्रॉब्लम सोल्विंग अप्रोच अपनाएं। यदि आपसे कोई गलती होती है, तो उसे स्वीकार करें और उससे सीखें। यह आपके सहकर्मियों और बॉस के बीच आपकी विश्वसनीयता को बढ़ाएगा।

तकनीकी कौशल जरूरी: आज के डिजिटल युग में, तकनीकी कौशल कॉरपोरेट सेक्टर में सफलता के लिए अनिवार्य हैं। अपनी जॉब प्रोफाइल के अनुसार जरूरी सॉफ्टवेयर और टूल्स सीखें। अपनी फील्ड से संबंधित तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स (जैसे कम्युनिकेशन, टाइम मैनेजमेंट, टीमवर्क) सीखें। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स (जैसे कोर्स, एरा, उडेमी, लिंक्डइन लर्निंग) से सर्टिफिकेशन कोर्स करें। प्रोग्रामिंग, डेटा एनालिसिस, डिजिटल मार्केटिंग जैसे ट्रेंडिंग स्किल्स पर फोकस करें, अगर वे आपके क्षेत्र से मेल खाते हों।

आत्मविश्वास-पहल: पहली जॉब में आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता आपको जल्दी सफलता दिला सकती है। अपने विचारों को साझा करने से न डरें और नई जिम्मेदारियां लेने के लिए तैयार रहें। उदाहरण के लिए यदि किसी प्रोजेक्ट में सुधार की गुंजाइश है, तो सुझाव देने में संकोच न करें। हां, आत्मविश्वास और अहंकार के बीच संतुलन बनाए रखें। *

देसी आबोहवा का विदेशी पेड़ हिमालयन मेपल

विशिष्ट पेड़
वीना गौतम

भारत में सड़कों के किनारे यूं तो पारंपरिक रूप से नीम, इमली, पीपल, बरगद, गुलमोहर, अशोक, कचनार आदि के पेड़ लगे देखे जाते हैं। लेकिन हाल के सालों में सड़कों के किनारे, शहर की पॉश कालोनियों, बड़े पार्कों और कई दूसरी जगहों पर एक चौड़ी लाल, पीली और नारंगी पत्तियों वाला पेड़ भी लगाया जाना शुरू हुआ है, जो जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के अलग-अलग इलाकों में खासतौर पर देखा जाता है। इसे हिमालयन मेपल या एसर ओब्लोंगम या कश्मीर मेपल या पेंटेड मेपल या ओक भी कहते हैं। सरल शब्दों में यह मेपल का पेड़ है, जिसका मूल निवास यूं तो उत्तरी अमेरिका, यूरोप, उत्तरी अफ्रीका, चीन और एशिया के कुछ देशों में है, लेकिन 132 प्रजातियों वाले सैपिंडेसी परिवार के इस मेपल के पेड़ की कुछ प्रजातियां भारत में भी पाई जाती हैं।

मेपल कनाडा का राष्ट्रीय वृक्ष है, कनाडा के झंडे और राज्य चिन्ह में भी मेपल की पत्तियां देखी जा सकती हैं। मेपल का पेड़ अनुकूल परिस्थितियों में कई सौ सालों तक मजबूती से खड़ा रहता है। मेपल का पेड़ ताकत और सहनशीलता का प्रतीक माना जाता है। सर्दियों में मेपल के पेड़ से एक-एक करके उसकी रंग-बिरंगी सारी पत्तियां झड़ जाती हैं और पेड़ के नीचे चौड़ी और रंगीन पत्तियों का ढेर लग जाता है। पहले यह भारत में सिर्फ हिमालयी क्षेत्र में ही दिखता था, लेकिन अब देश के बड़े शहरों के सौंदर्यीकरण के चलते यह इन शहरों के खूबसूरत पार्कों, पॉश कालोनियों और चौड़ी सड़कों के किनारे भी देखा जाता है।

कई रूपों में उपयोगी: भारत में ज्यादातर पाए जाने वाले हिमालयन मेपल के बड़े फायदे हैं। इसकी लकड़ी, फर्नीचर और निर्माण के कार्य में बहुत उपयोगी साबित होती है। इसकी छाल और पत्तियों का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। कई मधुमक्खी प्रजातियों को यह बहुत आकर्षित करता है, इसलिए यह शहद उत्पादन में बहुत सहायक होता है, क्योंकि इसकी लाल, पीली पत्तियां इसे बेहद आकर्षक और शानदार पेड़ का दर्जा दिलाती हैं, इसलिए विशेष तौर पर कश्मीर में इसे पार्कों के किनारे बड़े करीने से लगाया जाता है। जापानी मेपल जैसी कुछ प्रजातियों की भी अच्छी कीमत मिलती है। खूबसूरत पर्यटन स्थलों में यह जगहों की शोभा बढ़ाने और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए भी लगाया जाता है। *

सब पर नजर रखता सीसीटीवी कैमरा

यूजफुल डिवाइस
संध्या सिंह

घर, ऑफिस की सुरक्षा का मामला हो या बैंक, स्कूल की, हर कहीं सब कुछ चुपचाप अपनी नजरों में कैद करता रहता है सीसीटीवी कैमरा। इसकी उपयोगिता बढ़ने की कई वजहें हैं, इनके बारे में आप भी जानना चाहेंगे।

आज के डिजिटल युग में सीसीटीवी कैमरा महज एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी 'तीसरी आंख' बन चुका है, जो हर पल, हर कोने में नजर रखता है- चाहे कोई जानता हो या न जानता हो। यह कैमरा न बोलता है, न टोकता है, लेकिन उसकी नजरें चुपचाप सब कुछ देखती और रिकॉर्ड करती हैं।

सब कुछ देखता चुपचाप: बाजार, स्कूल, दफ्तर, रेलवे स्टेशन, गलियां-हर जगह ये 'तीसरी आंख' मौजूद है। यह न केवल अपराधों को रोकने में मदद करती है, बल्कि न्याय दिलाने में भी एक अहम गवाह बन जाती है। कई बार लोग अपनी हरकतों से अनजान होते हैं कि कोई उन्हें देख रहा है, पर सीसीटीवी की आंख सब कुछ समेट रही होती है। हालांकि जहां यह सुरक्षा का प्रतीक है, वहीं इसे लेकर निजता पर सवाल भी उठते हैं। क्या हर जगह नजर रखना सही है? लेकिन मौजूदा हालात में, यह आंख समाज को सजग और जवाबदेह बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। इस तरह, सीसीटीवी आधुनिक युग की वह अदृश्य शक्ति है, जो बिना बोले भी हर किसी को यह एहसास दिलाती है- कोई देख रहा है। इसीलिए इन दिनों कहते हैं जिंदगी कैमरों की जद में कैद हो गई है। हर पल हर जगह तमाम अदृश्य निगाहें हमें घेरे रहती हैं।

हर शहर में मुस्तैद नजर: राजधानी दिल्ली में मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियां चढ़ते ही जिस इबारत पर आपकी पहली नजर पड़ती है, वह एक चेतावनी होती है, 'सावधान आप कैमरे की निगाह में हैं।' बैंक में घुसिए, अस्पताल में प्रवेश करिए, कॉलेज की सीढ़ियां चढ़िए, मंदिर की ड्योढ़ी लांघिए हर जगह आपको इसी पहले वाक्य के इन दिनों दर्शन होते हैं। दिन में ज्यादातर समय कैमरे की जद में रहना अब महज वीवीआईपी लोगों की जिंदगी का सच नहीं है। यह आम महानगरीय लोगों की जिंदगी की कहानी बन चुका है। सिर्फ देश की राजधानी दिल्ली का ही ये हाल नहीं है, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, बेंगलुरु जैसे तमाम महानगरों और अब तो मझोले और छोटे शहरों की भी यही कहानी बनती जा रही है। लखनऊ, कानपुर, भोपाल, जयपुर, गुवाहाटी, बनारस, अमृतसर सबकी यही कहानी है। क्योंकि जिंदगी का हर पल खतरों, अविश्वास और विश्वासघात से जुड़ गया है।

संभालता सुरक्षा की जिम्मेदारी: कभी लोगों की यादों को सहजने वाला कैमरा, आज लोगों की सुरक्षा का भार संभालता है या कम से कम उसे उसकी बदौलत सुरक्षा का मनोवैज्ञानिक सहारा देता है। कैमरा बिल्कुल नए अवतार में आ चुका है। मोबाइल क्रांति के बाद जब दुनिया की तमाम मशहूर कैमरा बनाने वाली कंपनियां बंद होने के कगार पर पहुंच गईं थीं, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि बहुत जल्द कैमरे का यह विलक्षण रूप सामने आएगा। आज कैमरे का पर्याय हो गए हैं सीसीटीवी कैमरे। सीसीटीवी कैमरे आज प्रमुख सेफ्टी के टूल की तरह उभरे हैं।

बढ़ता गया प्रचलन: एक जमाना वह भी था, जब सीसीटीवी कैमरों को दुकानदारों की दुकान का चौकीदार भर समझा जाता था। लेकिन जैसे-जैसे वक्त बदला और तकनीक पहले से कई गुना ज्यादा बेहतर हुई जबकि कीमतें पहले से काफी नीचे आईं तो फिर मानो, इनके इस्तेमाल की बहार ही आ गई। घटती कीमतों की वजह से सीसीटीवी कैमरे आम आदमी की पहुंच में आ गए। आज सीसीटीवी कैमरे न केवल सेफ्टी का एक सेंस देते हैं, बल्कि जहां आपकी आंख नहीं पहुंच सकती, वहां तक भी आपको पहुंचाते हैं। *

हिंदी फिल्म जगत के महानतम फिल्मकारों में शुमार गुरुदत्त ने कई क्लासिक फिल्में दीं। गुरुदत्त की शानदार विरासत को उनकी बहू और पोतियां आज भी संभाले हुए हैं। गुरुदत्त के जन्मशती वर्ष पर वे, उनको भावुकता से याद करती हैं। साथ ही उनके जीवन के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक नजर।

महान फिल्मकार गुरुदत्त की विरासत संभाल रहे परिजन

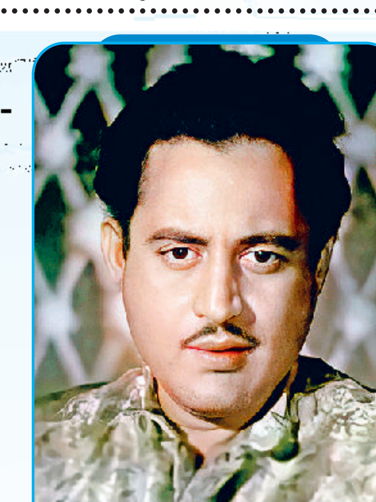

जन्मशती वर्ष / कैलाश सिंह

महान फिल्मकार और अभिनेता गुरुदत्त का जन्म 9 जुलाई 1925 को बंगलोर (अब बेंगलुरु) में हुआ था। उनके पिता शिवशंकर राव पादुकोण एक स्कूल टीचर थे और मां वसंथी पादुकोण गृहिणी थीं, जो कभी-कभी कहानियां भी लिखा करती थीं। माता-पिता ने उन्हें वसंत कुमार शिवशंकर पादुकोण नाम दिया, लेकिन बाद में उनका नाम बदलकर गुरुदत्त रख दिया गया।

गुरुदत्त के माता-पिता कारवार (कर्नाटक) में रहते थे, लेकिन उन्हें अपना बचपन भवानीपुर (प. बंगाल) में गुजारना पड़ा, जिससे वह बंगाली भी अच्छी बोलने लगे। घर में पैसे की तंगी थी, इसलिए दसवीं के बाद कॉलेज न जा सके। उनके बकुट मामा (बालकिशन बेनेगल, जो श्याम बेनेगल के चाचा और गुरुदत्त की मां के कजिन थे) ने उन्हें उदय शंकर की नृत्य मंडली में शामिल करा दिया। गुरुदत्त ने वहां नृत्य सीखा। कुछ दिन उन्होंने टेलीफोन ऑपरेटर के रूप में भी नौकरी की। लेकिन मन नहीं लगा तो कोलकाता छोड़कर पुणे आ गए जहां प्रभात फिल्म कंपनी में उन्हें नृत्य निर्देशक की नौकरी मिली और फिर जीवन का रुख ही बदल गया।

ऐसे हुई गुरुदत्त-देवानंद की दोस्ती: पुणे में जिस लौंडरी पर गुरुदत्त अपने कपड़े धुलवाते थे, वहीं पर देवानंद के कपड़े भी धुलने आते थे। एक दिन संयोग से दोनों की कमीजें आपस में बदल गईं और दोनों की मुलाकात हुई, जो दोस्ती में बदल गई। गुरुदत्त और देवानंद ने एक-दूसरे से वादा किया, जो भी पहले निर्माता बनेगा, वह दूसरे को अपनी फिल्म में काम देगा। पहले देवानंद निर्माता बन गए और उन्होंने 'बाजी' के निर्देशन की जिम्मेदारी गुरुदत्त को दी और अपना वादा निभाया। इसी तरह जब गुरुदत्त ने 'सीआईडी' बनाई तो देवानंद को उसमें बतौर हीरो कास्ट किया।

गीता दत्त से प्रेम और विवाह: सन 1951 में आई फिल्म 'बाजी' में गीता रॉय ने 'तदबीर से बिगड़ी हुई तकदीर बना ले' गीत गाया था। उनकी मखमली आवाज सुनकर गुरुदत्त अपना दिल दे बैठे। तीन साल तक कोर्टशिप चली और फिर 26 मई 1953 को गीता रॉय ने गुरुदत्त से शादी कर ली। उनके तीन बच्चे हुए- तरुण, अरुण और नीना।

बहू-पोतियां संभाल रही हैं विरासत: गुरुदत्त के पुत्र अरुण के घर में प्रवेश करते ही लिविंग रूम की दीवार पर फिल्म 'प्यासा' (1957) का पोस्टर लगा हुआ दिखता है। दूसरी दीवार पर ब्लैक एंड वाइट फैमिली फोटो टंगा हुआ है, जिसमें गुरुदत्त, उनकी गायिका पत्नी गीता (राय) दत्त और उनके बच्चे हैं। मुंबई के इस घर में गुरुदत्त की मौजूदगी का एहसास हर जगह होता है। यह गुरुदत्त की बहू इफ्फत का घर है, जिसमें वह अपनी दोनों बेटियों करुणा और गौरी के साथ रहती हैं। इफ्फत ने गुरुदत्त के बेटे अरुण दत्त से शादी की थी, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन वे अपनी दोनों बेटियों के साथ अपने परिवार की महान सिनेमाई विरासत को संभाले हुए हैं। गुरुदत्त की पोती गौरी बताती हैं, 'जब हम छोटे थे, तो हमें अपने दादा के कार्य से परिचय हमारे पिता ने कराया था। पुणे में शाम को अकसर बिजली गुल हो जाया करती थी और बिजली आने का इंतजार करते हुए डैडी अपने पैरेंट्स के बारे में बातें किया करते थे।'

गुरुदत्त की बहू इफ्फत के साथ करुणा और गौरी

सिने जगत से जुड़ी हैं पोतियां: चूंकि पोतियों का अपने दादा गुरुदत्त की फिल्मों से परिचय किशोरावस्था में ही हो गया था, इसलिए वे उनके कार्य को बेहतर ढंग से समझ सकीं और तटस्थता के साथ उस पर अपनी राय भी कायम कर सकीं। करुणा को 'प्यासा' ने अधिक प्रभावित किया है, लेकिन उन्हें लगता है कि 'मिस्टर एंड मिसेज 55' (1955) को उतनी प्रशंसा नहीं मिली, जितनी कि मिलनी चाहिए थी। गौरी की पसंदीदा फिल्म 'कागज के फूल' (1959) है। जब दोनों बहनें फिल्म प्रोफेशनल के तौर पर काम करने लगीं तो कुछ साल पहले उनका परिवार पुणे से मुंबई शिफ्ट हो गया। करुणा सहायक निर्देशक हैं और गौरी पृथ्वी थिएटर से जुड़ी हुई हैं। दोनों बहनें गुरुदत्त की विरासत को आगे बढ़ाने की इच्छुक हैं और उसी दिशा में कार्य कर रही हैं।

गुरुदत्त की जन्मशताब्दी वर्ष का जश्न: गुरुदत्त की जन्मशती आरंभ हो चुकी है। इस बारे में इफ्फत बताती हैं, 'परिवार के ऐसे अवसरों का हम प्राइवेटली जश्न मनाते हैं। लेकिन हम परिवार की परंपरा का पालन करते हुए अपने दिवंगत सदस्यों के पसंदीदा व्यंजन तैयार करके उन्हें पक्षियों को खिलाते हैं। यह परंपरा अरुण ने शुरू की थी।' गौरी भावुक होकर बताती हैं, 'हालांकि हमारे दादा गुरुदत्त की हमेशा ही हमारे जीवन में प्रभावी मौजूदगी रही है, लेकिन इस साल हम उसे कुछ अधिक ही महसूस कर रही हैं, क्योंकि 9 जुलाई 2025 को अगर वे होते तो सौ बरस के हो गए होते।' *